महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 290 | उज्जैन, गुरुवार 02 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

दाम अक्सर ऊंचे होते हैं ख़्वाहिशों के,मगर ख़ुशियां हरगिज़ महंगी नहीं

न्यूज ब्रीफ

भारत को मिली नेगेव मशीनगनों की पहली खेप, इंडिया-इजरायल की बढ़ी दोस्ती

नई दिल्ली/ जीएनएस। रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। इजराइल की प्रमुख हथियार निर्माता कंपनी, इजरायल वेपन्स इंडस्ट्रीज ने भारतीय सेना के लिए नेगेव लाइट मशीनगनों की पहली खेप भारत को सौंप दी है। यह आपूर्ति कुल 41 हजार यूनिट्स के बड़े अनुबंध का हिस्सा है, जिसे तकनीक हस्तांतरण के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। पीएलआर सिस्टम्स और मेक इन इंडिया का प्रभाव कंपनी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, दो हजार नेगेव की पहली खेप पिछले सप्ताहांत वितरित की गई। इस साल के अंत तक चार हजार और यूनिट्स की आपूर्ति होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इस अनुबंध को पीएलआर सिस्टम्स द्वारा निष्पादित किया जा रहा है, जो इजरायली कंपनी और अदाणी समूह का एक संयुक्त उद्यम है। पीएलआर सिस्टम्स भारत की पहली निजी कंपनी है जो छोटे हथियारों और गोला-बारूद का निर्माण कर रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह मील का पत्थर भारत की मेक इन इंडिया पहल के तहत सफल तकनीक हस्तांतरण को दर्शाता है। हम भारतीय रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले उन्नत सिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत और इजरायल के बीच बढ़ते रक्षा संबंध भारत और इजरायल के बीच रक्षा सहयोग केवल लाइट मशीनगनों तक सीमित नहीं है। पीएलआर सिस्टम्स को 1,70,000 क्लोज-क्वार्टर बैटल (सीक्यूबी) कार्बाइन की आपूर्ति का अनुबंध भी मिला है, जिसकी पहली 18 हजार इकाइयां इसी वर्ष मिलने वाली हैं। पिछले वर्ष नवंबर में दोनों देशों ने रक्षा, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जो सह-विकास और सह-उत्पादन को बढ़ावा देता है। नेगेव (7.62 3 51 एमएम) को अपनी श्रेणी की सबसे हल्की और प्रभावी मशीगन माना जाता है।

लोकसभा में 50% सीटें बढ़ाने के फार्मूले से दक्षिण-पूर्वोत्तर और पश्चिम के राज्यों को नुकसानः कांग्रेस

नई दिल्ली/ जीएनएस। वर्तमान बजट सत्र में संसद-विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था 2029 से लागू करने के लिए प्रस्तावित संविधान संशोधन बिल लाने के इरादे को सरकार ने फिलहाल चाहे टाल दिया हो मगर लोकसभा में सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत का इजाफा करने के प्रस्ताव पर सियासी बहस तो शुरू हो ही गई है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने दावा किया कि है कि लोकसभा की वर्तमान सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी के लिए एक विधेयक जबरन पारित कराने की मोदी सरकार तैयारी कर रही है। पार्टी के अनुसार इस प्रस्तावित बिल के पारित होने से चाहे हर राज्य की वर्तमान लोकसभा सीटों की संख्या में 50 फीसद बढ़ जाएगी मगर इस कदम से विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों के साथ पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा। महिला आरक्षण लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के फार्मूले पर आधारित विधेयक लाने के सरकार के इरादों की चर्चा करते हुए कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में एक समान 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी को न्यायसंगत बताने का तर्क पूरी तरह भ्रामक है। उनके अनुसार हो सकता है कि अभी अनुपात न बदलें, लेकिन इसके कुछ गहरे असर होंगे जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लोकसभा में अलग-अलग राज्यों की मौजूदा सीटों की संख्या में अगर कोई भी अंतर बढ़ता है, तो इससे दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए अभी उत्तर प्रदेश के पास 80 सीटें हैं और तमिलनाडु के पास 39 और प्रस्तावित बिल के लागू होने पर यूपी की सीटों की संख्या 120 हो जाएगी।

धर्म नगरी वाराणसी में 3 से 5 अप्रैल तक होगा महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का ऐतिहासिक मंचन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अवंतिका की पावन धरा पर 2028 में होगा, भव्य, दिव्य और अलौकिक सिंहस्थ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय काल-गणना के प्रणेता और न्यायप्रियता के प्रतीक चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य की गाथा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी की गलियों में प्रतिध्वनित होगी। धर्म और संस्कृति की नगरी वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में आगामी 3 से 5 अप्रैल, 2026 (विक्रम संवत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष) तक भारत के स्वाभिमान और विकास की गाथा का भव्य उत्सव मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस त्रि-दिवसीय कार्यक्रम में महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का ऐतिहासिक मंचन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में यह आयोजन भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों को जीवंत करेगा। इस गरिमामय समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में होगा। इस वृहद आयोजन का उद्देश्य देश के गौरवशाली इतिहास, विक्रम संवत् की वैज्ञानिकता और उस युग के अनुपम योगदान से जन-मानस को परिचित कराना है।

बाबा विश्वनाथ को विक्रमादित्य वैदिक घड़ी करेंगे अर्पित- प्राचीन भारतीय कालगणना के ऐतिहासिक केंद्र उज्जैन में पिछले वर्ष विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की सफल स्थापना के बाद, अब इसे देश के अन्य ज्योतिर्लिंगों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारतीय काल गणना की समृद्ध विरासत को पुनर्जीवित करने के इस प्रयास अन्तर्गत वाराणसी में सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को यह वैदिक घड़ी समर्पित की जा रही है। इस घड़ी की विशेषता न केवल इसकी पारंपरिक गणना पद्धति है, बल्कि इसका डिजिटल विस्तार भी है। इसके लिए एक विशेष ऐप भी लॉन्च किया गया है जो विश्व की 180 से अधिक भाषाओं में समय और पंचांग की जानकारी उपलब्ध करा रहा है। उज्जैन से शुरू होकर काशी के गलियारों तक पहुँचने वाली यह पहल न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध कर रही है, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पुनः स्थापित करने का कार्य भी कर रही है।

महानाट्य के सांस्कृतिक गौरव की निरंतर यात्रा- सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की यात्रा वर्ष 2007 में प्रारंभ हुई थी। सफलता के सोपान चढ़ते हुए इस नाटक का मंचन अब तक उज्जैन, भोपाल, आगरा और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में किया जा चुका है, जहाँ हज़ारों दर्शकों ने इसे सराहा है। अप्रैल 2025 में दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर आयोजित इसके मंचन को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी विशेष रूप से सराहा था। उन्होंने इस प्रस्तुति को सम्राट विक्रमादित्य के वैभव और भारतीय गौरव को जन-जन तक पहुँचाने का एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 2 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा निर्वाचन में उम्मीदवारों के नामांकन के लिए जाएंगे

भाजपा की चुनावी रैली में शामिल होंगे

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार, दो अप्रैल को पश्चिम बंगाल में निर्वाचन उम्मीदवारों के नामांकन और रैली में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व के अंतर्गत पूर्वान्ह 11 बजे दुर्गापुर पहुंचेंगे और वहां से हेलीकाप्टर से बांकुरा जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बांकुरा में चुनावी रैली में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव सलतोरा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्रीमती चांदना बारी, छतना क्षेत्र के प्रत्याशी श्री सत्यनारायण मुखोपाध्याय , बांकुरा विधानसभा क्षेत्र की उम्मीदवार श्री नीलाद्री शेखर दाना, बरजोरा क्षेत्र से प्रत्याशी श्री बिलेश्वर सिंघा और ओंडा क्षेत्र के प्रत्याशी श्री अमरनाथ शाखा के नामांकन पर्चे दाखिल करवाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 3 बजे करगहिर (जिला बांकुरा) से हेलीकाप्टर से दुर्गापुर जाएंगे। दुर्गापुर से दोपहर 3:30 बजे विशेष विमान से भोपाल के लिए रवाना होंगे।

कंबाइन हार्वेस्टरों को मिलेगी टोल से छूट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में ÷समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश÷ के विचार को सार्थक करते हुए किसान हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किये जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टरों को मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के टोल प्लाजा पर शुल्क संग्रहण से छूट रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल कटाई में प्रयुक्त होने वाला कंबाइन हार्वेस्टर आवश्यक कृषि उपकरण है। टोल मार्गों पर टोल छूट दिए जाने से हार्वेस्टर की परिवहन लागत में कमी आएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 60 लाख में से 47 लाख आपत्तियां निपट जाने पर जताया संतोष

नई दिल्ली/ जीएनएस। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में चल रही मतदाता सूची सघन पुनरीक्षण (स्ङ्कक्र) प्रक्रिया में लगे न्यायिक अधिकारियों द्वारा 31 मार्च तक 47 लाख से ज्यादा आपत्तियां निपटा दिये जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष और खुशी जताई।

कोलकाता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सुप्रीम कोर्ट को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि 60 लाख में से लगभग 47.4 लाख आपत्तियां निपटाई जा चुकी हैं और सात अप्रैल तक सारी आपत्तियां निपटा ली जाएंगी।

7 अप्रैल को फिर होगी सुनवाई- शीर्ष अदालत ने सभी आपत्तियां निपट जाने को ध्यान में रखते हुए मामले को सात अप्रैल को ही फिर सुनवाई के लिए लगाने का आदेश दिया है।

टीएमसी नेताओं की ओर से भारी संख्या में फार्म छह जमा कराने और नये मतदाताओं को जोड़े जाने का मुद्दा उठाने पर कोर्ट ने कहा कि ऐसा हमेशा होता है पर आप आपत्ति कर सकते हैं। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन नहीं है और इस संबंध में ट्रिब्युनल के समक्ष आपत्ति कर सकते हैं। कोलकाता हाई कोर्ट की ओर से शीर्ष अदालत को सूचित किया गया कि अपीलों पर सुनवाई के लिए 19 अपीलीय ट्रिब्युनलों के गठन की अधिसूचना जारी हो गई है। इन ट्रिब्युनलों में हाई कोर्ट के सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश या सेवानिवृत न्यायाधीश अपीलों का निपटारा करेंगे।

चुनाव आयोग और राज्य सरकार ने संयुक्त रूप से अपीलीय ट्रिब्युनलों के लिए उपयुक्त परिसरों का निरीक्षण किया और पाया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जल एवं स्वच्छता संस्थान इसके लिए सबसे उपयुक्त है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपीलीय ट्रिब्युनलों को चुनाव आयोग के रिकार्ड तक पूरी पहुंच दी जाए। जिसमें आपत्तियों पर निर्णय लेते समय न्यायिक अधिकारियों द्वारा दर्ज किये गए कारण भी शामिल हों। ट्रिब्युनल प्राकृत न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप अपनी कार्य प्रणाली तय करेंगी लेकिन प्रामाणिकता की पुष्टि के बगैर नये दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगी।

कोर्ट ने साथ ही चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि ट्रिब्युनल के न्यायिक अधिकारियों, सदस्यों और कर्मचारियों का मानदेय और अन्य खर्च का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने पश्चिम बंगाल में एसआइसआर से संबंधित टीएमसी नेताओं और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिये।

चीफ जस्टिस ने बताया कि कोलकाता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र भेजा है जिसमें बताया गया है कि 31 मार्च तक कुल मिलाकर 47.40 लाख आपत्तियों का निपटारा हो चुका है।

विदेशी चंदा विधेयक पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक (एफसीआरए) का कांग्रेस, समाजवादी पार्टी एवं वामदलों ने विरोध किया। विपक्ष का कहना है कि एफसीआरए ईसाइयों, अल्पसंख्यकों और एनजीओ के खिलाफ है। जो एनजीओ भारत के लोगों के लिए अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें इस कानून के जरिए दंडित किया जा रहा है।

सरकार पर गुमराह करने का लगाया आरोप- विपक्षी दलों के भारी विरोध के चलते यह बिल लोकसभा में पेश नहीं किया जा सका। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य केवल राष्ट्रीय सुरक्षा है।

फिलहाल विधेयक टल गया है, लेकिन विवाद बरकरार है। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि विपक्षी सांसद जिस विधेयक की बात कर रहे हैं, जब वह आएगा, तब विरोध कर सकते हैं।

आमने-सामने सरकार और विपक्ष- विदेशी चंदे से संबंधित विधेयक पर केंद्र सरकार और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं। लोकसभा में बुधवार को भारी हंगामे और विरोध के कारण सरकार को फिलहाल इस विधेयक को पेश करने से पीछे हटना पड़ा।

भारतीय सेना में लीडरशिप बदलावः लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ बने नए उपसेना प्रमुख, किसे मिली दक्षिणी कमान की जिम्मेदारी?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सेना के दक्षिणी कमान के जनरल कमांडिंग ऑफिसर इन चीफ रहे लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने देश के नए उपसेना प्रमुख का पदभार बुधवार को संभाल लिया।

खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से दिसंबर 1986 में सेना के बख्तरबंद कोर में कमीशन हासिल करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने बीते लगभग चार दशकों के अपने कार्यकाल में आतंकवाद विरोधी अभियानों समेत देश के विभिन्न इलाकों में संघर्षपूर्ण परिस्थितियों और चुनौतियों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है। जबकि धीरज सेठ की जगह बुधवार को ही दक्षिणी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने संभाल लिया।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ नए उपसेना प्रमुख बने- लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ के पास रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट, विकसित क्षेत्र में एक बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी बल की कमान संभालने का अनुभव है। लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली और बाद में दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में करते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभियानों का नेतृत्व किया।

एक परिवार असम को लूट रहा, प्रियंका गांधी का CM सरमा पर निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि संसाधन संपन्न राज्य में केवल एक परिवार सब कुछ लूट रहा है, जबकि जनता के पास कुछ भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को धमकाकर काम कर रही है।

कांग्रेस उम्मीदवार देबब्रता सैकिया के समर्थन में नाजिरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला किया और उन पर अमेरिका का गुलाम होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि असम में एक परिवार सब कुछ लूट रहा है। और जब वे लूटपाट नहीं कर रहे होते हैं, तो खदानें, जमीनें और हर दूसरी संपत्ति बड़े उद्योगपतियों को सौंप दी जाती है। असम में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हर मोर्चे पर व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए, उन्होंने सारदा, स्मार्ट सिटी और एनसी हिल्स जैसे कई पुराने घोटालों का मुद्दा उठाया। प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा ने कहा कि उन्होंने दो इंजन वाली सरकार दी है। असल में, यह दो गुलामी वाली सरकार है। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका की गुलामी में लगे हैं और हिमंत बिस्वा सरमा मोदी की गुलामी में लगे हैं। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाने के वादे को पूरा न करने के लिए भाजपा सरकार पर हमला किया और जोर दिया कि बागानों के लोग भी उसी तरह संघर्ष कर रहे हैं।

ट्रंप-पीएम मोदी की दोस्ती से मजबूत होंगे भारत-अमेरिका संबंध, राजदूत सर्जियो गोर का बड़ा बयान

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच की वास्तविक मित्रता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात के बाद कहा कि ट्रंप भारत के साथ संबंधों को बहुत अधिक महत्व देते हैं। एक प्रतिष्ठित मैगजीन को दिए साक्षात्कार में राजदूत गोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनका विजन भारत-अमेरिका संबंधों को 21वीं सदी की निर्णायक रणनीतिक साझेदारी के रूप में परिवर्तित करना है। इस साझेदारी का उद्देश्य रक्षा, ऊर्जा, विमानन, उन्नत विनिर्माण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर दोनों देशों के लिए ठोस लाभ सुनिश्चित करना है।राजदूत गोर ने कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) और लचीली सप्लाई चेन के निर्माण में दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने भारत-अमेरिका एआइ साझेदारी को असीमित क्षमता वाला बताया और तकनीकी प्रबंधन के लिए द्विपक्षीय दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता रणनीतिक तालमेल न केवल आर्थिक विकास, बल्कि वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। नेतृत्व स्तर की निकटता एक ऐसे भविष्य की नींव रख रही है जहां भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान खोज सकें।

बंगाल में कांग्रेस का 'वनवास' : वामपंथी ज्योति बसु ने सत्ता छीनी, ममता ने आधार और भाजपा ने हाशिए पर धकेला

कोलकाता/ जीएनएस। कभी बंगाल की सत्ता की धुरी रही कांग्रेस आज उसी जमीन पर पहचान के लिए संघर्ष कर रही है। 50 साल का लंबा वनवास- जहां पहले वामपंथियों ने सत्ता छीनी, फिर कांग्रेस से ही अलग होकर अलग पार्टी टीएमसी का गठन करने वाली ममता बनर्जी ने उसका जनाधार खिसकाया और अब भाजपा ने उसे सियासी हाशिए पर धकेल दिया है।

बड़ा सवाल है- क्या कांग्रेस की बंगाल में वापसी अब सिर्फ इतिहास बनकर रह जाएगी? दरअसल, बंगाल की राजनीति में कांग्रेस का पतन एक दिन में नहीं हुआ, बल्कि यह एक लंबी और लगातार चली आ रही सियासी गिरावट की कहानी है।1977 में ज्योति बसु के नेतृत्व में वाममोर्चे के सत्ता में आने के साथ ही बंगाल में कांग्रेस का प्रभाव कमजोर होना शुरू हुआ। ज्योति बसु (बंगाल के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे) के नेतृत्व में वामपंथ ने ऐसा मजबूत संगठन खड़ा किया कि कांग्रेस धीरे-धीरे राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से बाहर होती चली गई।

इसके बाद 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा, जब ममता बनर्जी ने पार्टी से अलग होकर जनवरी 1998 में अपनी अलग पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठन किया। ममता ने तृणमूल कांग्रेस के जरिए कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगानी शुरू की। 2011 के विधानसभा चुनाव में ममता के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड जीत दर्ज कर लगातार 34 साल के वाममोर्चा शासन का अंत कर राज्य की सत्ता पर कब्जा जमाया और कांग्रेस को और पीछे धकेल दिया।

बंगाल में कांग्रेस की स्थिति - हाल के वर्षों में कांग्रेस के लिए यहां स्थिति और ज्यादा कठिन हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के तेज उभार ने कांग्रेस को राज्य की राजनीति में लगभग हाशिए पर ला खड़ा किया है।

भाजपा 2021 के पिछले विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतकर जहां मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी, वहीं कांग्रेस अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की जद्दोजहद में लगी है। 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 34 साल बंगाल में शासन करने वाले वाममोर्चा का खाता तक नहीं खुल सका था।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कमजोर संगठन, प्रभावी नेतृत्व की कमी और बदलते सामाजिक समीकरणों को समझने में विफलता कांग्रेस के पतन की बड़ी वजहें रही हैं।

इंदौर जिले में शुरू हुआ नया शैक्षणिक सत्र

पहले दिन नव प्रवेशित और अन्य विद्यार्थियों का स्कूलों में किया गया स्वागत-सत्कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में आज से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुआ। पहले दिन स्कूल पहुँचे नव प्रवेशित और अन्य विद्यार्थियों का तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत-सत्कार किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों सहित स्कूल बैग, टिफिन, पानी की बोतल आदि का वितरण किया गया। ÷स्कूल चले हम÷ अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले का मुख्य कार्यक्रम सांदीपनी नवीन मालवा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महू नाका में प्रवेश उत्सव के रूप में सम्पन्न हुआ। यह गरिमामय कार्यक्रम जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में उत्साह एवं हर्ष के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सतत् प्रगति हो रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े और प्रवेश उत्सव को संबोधित किया तथा अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शांता भार्गव स्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन का प्रमुख आधार है। उन्होंने शिक्षा पर विशेष बल देते हुए विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने एवं अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि पूरे राष्ट्र में कई वर्षों बाद देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा की नई नीति क्रांति लायी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि प्रदेश को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता में नम्बर वन बनाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान शिक्षा है और प्रदेश का संकल्प है कि सभी शिक्षा के क्षेत्र में ऊँचाई हासिल करें एवं बेटे और बेटियां निरन्तर स्कूल जाए। प्रदेश उनके साथ है। साथ ही समाज में कोई परिवर्तन ला सकती है तो वह शिक्षा है।

विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश शासन द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु विभिन्न नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

इंदौर में भाजपा के नए कार्यालय के लिए भूमि की रजिस्ट्री, एयरपोर्ट के पास इकोनॉमिक कॉरिडोर में बनेगा भवन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के नए कार्यालय के लिए इंदौर में भूमि की रजिस्ट्री की गई। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन ने शहर का दौरा कर रजिस्ट्रार कार्यालय में विधिवत प्रक्रिया पूरी की। उनके साथ प्रदेश के केबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट, विधायक ऊषा ठाकुर और भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा भी मौजूद रहे।

नया कार्यालय नवदापंथ क्षेत्र में एयरपोर्ट के समीप विकसित हो रहे इकोनॉमिक कॉरिडोर में स्थापित किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश जैन ने कहा कि कार्यक्रम, कार्यकर्ता और कार्यालय भारतीय जनता पार्टी की पहचान हैं और पार्टी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार जनता के संपर्क में रहती है।

जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा ने बताया कि लंबे समय से कार्यालय निर्माण की योजना थी, लेकिन उपयुक्त भूमि नहीं मिलने के कारण कार्य लंबित था। अब भूमि मिलने के बाद जल्द ही भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्थान सांवेर, महू, देपालपुर और राऊ विधानसभा क्षेत्रों के मध्य स्थित होने से कार्यकर्ताओं के लिए आवागमन में काफी सुविधा होगी, जबकि पहले जावरा कंपाउंड जाना कई कार्यकर्ताओं के लिए दूर पड़ता था।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, अंतर दयाल और कार्यालय मंत्री मुकेश जरिया सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच से निखरता है व्यक्तित्व, कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विशेष व्याख्यान आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में मासिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत ÷व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयाम÷ विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता चंद्रशेखर ने विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को संबोधित किया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने व्यक्तित्व विकास के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में विशेष गुण होते हैं, जिन्हें सकारात्मक सोच के माध्यम से निखारा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि मानसिक सशक्तता व्यक्तित्व विकास की आधारशिला है और सकारात्मकता व्यक्ति को आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए योग, व्यायाम और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। सामाजिक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि व्यक्ति का आचरण ऐसा होना चाहिए जिससे समाज को लाभ मिले और ÷जियो और जीने दो÷ की भावना को अपनाना चाहिए। धार्मिक आयाम के संदर्भ में उन्होंने मानवता, शांति और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने का संदेश दिया। प्राचार्या ने विद्यार्थियों को प्रेरक पुस्तकों के अध्ययन, आत्म-सुधार, अपनी गलतियों को स्वीकार करने और कृतज्ञता की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

बीआरटीएस और मास्टर प्लान सड़कों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, 8 बस स्टॉप हटे, शेष कार्य तेज करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर में बीआरटीएस कॉरिडोर और मास्टर प्लान सड़कों पर चल रहे निर्माण एवं सुधार कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बीआरटीएस मार्ग पर बस स्टॉप और रेलिंग हटाने के कार्यों की समीक्षा की गई। जानकारी के अनुसार राजीव गांधी प्रतिमा चौराहे से निरंजनपुर चौराहे तक लगभग 10.05 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर स्थित 17 बस स्टॉप में से 8 बस स्टॉप को पूरी तरह हटाया जा चुका है, जबकि 3 बस स्टॉप पर कार्य जारी है। हटाए गए स्थानों पर रोड समतलीकरण और डामरीकरण का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि बस स्टॉप और रेलिंग हटाने के बाद संबंधित स्थानों पर तुरंत सफाई, पेचवर्क और सड़क समतलीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त बैरिकेडिंग और सूचना संकेतक लगाए जाएं।

नवलखा चौराहे से होल्कर साइंस कॉलेज के बीच लगभग 670 मीटर क्षेत्र को छोड़कर शेष मार्ग पर रेलिंग हटाने का कार्य पूरा हो चुका है। शेष हिस्से में लोक निर्माण विभाग द्वारा अस्थायी डिवाइडर स्थापित किए जाने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीआरटीएस निरीक्षण के बाद आयुक्त ने शहर की विभिन्न मास्टर प्लान सड़कों का भी जायजा लिया, जिनमें मुसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया मंदिर तक सर्विस रोड, मालवीय नगर, एमआईजी से रिंग रोड लिंक रोड, एमआर-04 मार्ग और जावरा कंपाउंड क्षेत्र की सड़कें शामिल हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर के यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए सभी कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

इंदौर में रिकॉर्ड राजस्व वसूली, 1086 करोड़ से अधिक संग्रह, पिछले वर्ष से 155 करोड़ ज्यादा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली का नया रिकॉर्ड स्थापित करते हुए 1086.92 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 932 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 155 करोड़ रुपये अधिक है, जो शहर के करदाताओं के बढ़ते विश्वास और सहभागिता को दर्शाती है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी निरंजनसिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष संपत्तिकर, जलकर, बल्क वॉटर शुल्क, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), मार्केट शुल्क, लाइसेंस शुल्क, कॉलोनी सेल और बिल्डिंग परमिशन सहित विभिन्न मदों से यह राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय शहर के जागरूक नागरिकों को देते हुए कहा कि इंदौर के करदाता न केवल स्वच्छता में अग्रणी हैं, बल्कि समय पर कर भुगतान कर शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। नागरिकों के सहयोग और जिम्मेदारी की भावना से ही नगर निगम की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। महापौर और आयुक्त ने सभी करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग से शहर के विकास कार्यों को गति मिलती रहेगी और इंदौर प्रगति के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस, घर-घर फहराया जाएगा पार्टी ध्वज, कार्यालयों में होगी भव्य सजावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर कार्यकर्ता घर-घर पार्टी का ध्वज फहराएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से स्थापना दिवस को विशेष रूप से मनाया जाएगा। यह निर्णय भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया।

बैठक में मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, गोपीकृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे सहित कई जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुमित मिश्रा ने कहा कि भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में करोड़ों कार्यकर्ताओं के त्याग और तपस्या का योगदान है। स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को उन योगदानों को स्मरण करते हुए उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का सम्मान देश-विदेश में बढ़ा है, जिससे पार्टी और अधिक मजबूत हुई है।

स्थापना दिवस के अवसर पर जावरा कंपाउंड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन में सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके साथ ही भाजपा कार्यालयों को आकर्षक विद्युत सज्जा, पुष्पमालाओं और रंगोली से सजाया जाएगा तथा कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई वितरित की जाएगी।

बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे अपने-अपने घरों पर भी पार्टी का ध्वज फहराकर इस दिन को उत्सव के रूप में मनाएं और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं।

फ्लैट विक्रय के नाम पर 35 लाख की ठगी, क्राइम ब्रांच ने महिला सहित तीसरी आरोपी को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। फ्लैट विक्रय और रजिस्ट्री के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के खिलाफ क्राइम ब्रांच इंदौर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर आर्थिक अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

मामले में फरियादी फैसल अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मोहित महाजन, निसार अली और सायरा द्वारा योजनाबद्ध तरीके से फ्लैट विक्रय के नाम पर उससे करीब 35 लाख रुपये की ठगी की गई। आरोपियों ने फ्लैट का सौदा तय कर नगद और ऑनलाइन माध्यम से राशि प्राप्त कर ली और रजिस्ट्री करने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में धोखाधड़ी करते हुए उसी फ्लैट की रजिस्ट्री सह-आरोपी मोहित महाजन की भाभी के नाम 17 लाख रुपये में कर दी। इस तरह एक ही फ्लैट को दो अलग-अलग लोगों को बेचकर अवैध लाभ अर्जित किया गया।

जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ने पहले ही मुख्य आरोपी मोहित महाजन और निसार अली को गिरफ्तार कर लिया था। अब आगे की कार्रवाई करते हुए 31 मार्च 2026 को तीसरी आरोपी सायरा, निवासी इंदौर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है और मामले में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने फरियादी के अलावा अन्य कई लोगों के साथ भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी की है, जिसकी जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना है और संबंधित अन्य पीड़ितों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न की गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आई.एम.एस. परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भूकंप आपदा जोखिम प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया, खोज एवं बचाव सहित आपदा के दौरान आवश्यक सावधानियों एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा भूकंप से होने वाले जोखिम, बचाव तकनीक, राहत कार्य, प्राथमिक उपचार एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन से जिले में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता एवं तैयारियों को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्र प्रथम का ध्येय ही संघ का उद्देश्यः नागेंद्र वशिष्ठ, शिशु स्वयंसेवकों के प्रकट कार्यक्रम में दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिशु स्वयंसेवकों के प्रकट कार्यक्रम में ÷राष्ट्र प्रथम÷ के संदेश के साथ देशभक्ति और संस्कारों पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यक्षेत्र बौद्धिक प्रमुख नागेंद्र वशिष्ठ ने कहा कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखना ही संघ का मूल उद्देश्य है। उन्होंने संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया कि वे जन्मजात देशभक्त थे। इंग्लैंड की रानी के राज्यारोहण की मिठाई लेने से उनका इनकार इस बात का उदाहरण है कि उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था। उन्होंने कहा कि हर कार्य में राष्ट्र का विचार होना चाहिए। नागेंद्र वशिष्ठ ने स्वयंसेवकों को माता-पिता के सम्मान, अच्छे संस्कार और सकारात्मक आचरण का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को नष्ट कर देता है और घृणा से ईर्ष्या उत्पन्न होती है, इसलिए बच्चों को इन अवगुणों से दूर रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने संगति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अच्छी संगति ही व्यक्ति के व्यक्तित्व को सही दिशा देती है।

यह कार्यक्रम संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें 500 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। लंबे समय से चल रहे अभ्यास के बाद 540 शिशु स्वयंसेवकों ने शारीरिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का सामूहिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसे देखने के लिए अभिभावक और समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संदीप शर्मा ने संभाला मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक का पदभार, रतलाम मंडल में नई जिम्मेदारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में जनसंपर्क विभाग को नया नेतृत्व मिला है। संदीप शर्मा ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रतलाम में मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण किया।

संदीप शर्मा इससे पूर्व इंदौर स्थित जनसंपर्क कार्यालय में मुख्य जनसंपर्क निरीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे चर्चगेट स्थित मुख्य जनसंपर्क कार्यालय में वरिष्ठ जनसंपर्क निरीक्षक के पद पर भी कार्यरत रहे हैं, जहां उन्होंने रेलवे की छवि सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए रतलाम मंडल में जनसंपर्क गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने रचा इतिहास, 98.44% समयपालनता के साथ देश में प्रथम स्थान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मंडल ने 98.44 प्रतिशत समयपालनता हासिल कर भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। यह जानकारी मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने प्रेस वार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि इस दौरान 111 दिनों तक मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की 100 प्रतिशत समयपालनता दर्ज की गई। माल परिवहन के क्षेत्र में भी मंडल ने 19.79 मिलियन टन लोडिंग कर पिछले वर्ष की तुलना में 2.91 प्रतिशत वृद्धि हासिल की। मार्च 2026 में 7058 रेक लोडिंग और 2.14 मिलियन टन की रिकॉर्ड मासिक लोडिंग दर्ज की गई, जबकि एक दिन में 1,22,700 टन की ऐतिहासिक लोडिंग भी की गई।

वाणिज्यिक उपलब्धियों में यात्री आय 1167.51 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष से 12 प्रतिशत अधिक है। टिकट चेकिंग से 26.21 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई, वहीं कुल माल भाड़ा आय 2089.05 करोड़ रुपये रही। इस प्रकार मंडल का कुल राजस्व 3411.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यात्रियों की संख्या भी बढ़कर 51.10 मिलियन हो गई, जो 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इंजीनियरिंग, सिग्नल और विद्युत विभागों ने भी कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए।

शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का बढ़ा आकर्षणः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक स्कूल चले हम अभियान चलेगा और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 369 भव्य सांदीपनि विद्यालयों की शुरुआत की गई है, जो देश में सबसे अच्छे स्कूल हैं। मध्यप्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पीएमश्री स्कूल भी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में महती भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल में राज्य स्तरीय प्रवशोत्सव कार्यक्रम-2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर बच्चों को निश्शुल्क साइकिलें और पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं एवं उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने साईकिलों की घंटियां बजाकर किया अभिवादन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर विद्यार्थियों ने साइकिल की घंटियां बजाकर और स्काउट गाइड दल ने वाद्य यंत्रों पर सुमधुर धुनों के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में शामिल विद्यार्थियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अटल टिंकलिंग लैब, रोबोटिक लैब, व्यावसायिक शिक्षा और आईसीटी लैब के स्टॉल का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्कूल चले हम अभियान पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ निश्शुल्क साइकिल प्राप्त करने वाले स्कूली बच्चों का ग्रुप फोटो भी लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया।

बच्चे पढ़-लिखकर बनें डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल चले हम अभियान बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। प्रदेश के सभी 55 जिलों के प्रत्येक गांव का एक-एक बच्चा स्कूल में प्रवेश ले रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में बड़े पैमाने पर शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का आकर्षण बढ़ा है। इनमें ड्रॉप आउट खत्म करने के लिए शिक्षकों के साथ समाज के हर वर्ग ने संकल्प के साथ मेहनत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए निश्शुल्क साइकिलें वितरित की गई हैं। आगामी 3 से 4 महीने तक शासकीय स्कूलों के 4 लाख बच्चों को साइकिलें मिलेंगी। विद्यार्थियों के लिए निश्शुल्क गणवेश, किताबें और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। हमारे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी बनें, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए 76 हजार 325 शिक्षकों की समय पर नियुक्ति की गई।

मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूल टॉपर को मिल रही है स्कूटी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत 49 किताबें हिंदी और स्थानीय भाषा में तैयार कर जनजातीय क्षेत्रों में विद्यार्थियों को वितरित की जा रही हैं। प्रदेश में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 95 हजार क्षमता वाले 1913 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है।

मंगलवारी चोले के लिए 22 साल का इन्तजार : आस्था, विश्वास और भक्ति का पर्याय है तलाई वाले बालाजी का दरबार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आस्था और श्रद्धा के अद्भुत केंद्र के रूप में प्रसिद्ध श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर में भक्तों का विश्वास इस कदर अटूट है कि यहां चोला चढ़ाने के लिए वर्षों नहीं, बल्कि दशकों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। वर्तमान स्थिति यह है कि यदि कोई भक्त मंगलवार के दिन चोला चढ़ाने के लिए आज रसीद कटवाता है, तो उसका नंबर वर्ष 2048 के आसपास आएगा, जबकि शनिवार के लिए यह प्रतीक्षा 2047 तक पहुंच चुकी है। सामान्य दिनों में भी चोला चढ़ाने के लिए करीब 10 वर्षों का इंतजार करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी (माहेश्वरी) ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के गांधी चौराहा और बालागंज के बीच स्थित तलाई वाले बालाजी मंदिर अपनी चमत्कारिक महिमा और अटूट आस्था के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। यही कारण है कि प्रतिदिन सैकड़ों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर मत्था टेकते हैं। कई लोग अपने दिन की शुरुआत भी बालाजी के दर्शन से ही करते हैं। मंदिर के पुजारी पंडित रामेश्वर शर्मा और पंडित भूपेन्द्र शर्मा के अनुसार, मंगलवार के लिए मार्च 2048 तक और शनिवार के लिए अप्रैल 2047 तक बुकिंग हो चुकी है। अन्य दिनों के लिए जून 2036 तक की प्रतीक्षा सूची चल रही है। इसके अलावा राम रक्षा स्त्रोत के लिए सितम्बर 2028 और हनुमंत वडवानल हवन जो नित्य सायंकाल होता है, उसके लिये जुलाई 2026 तक का इंतजार करना पड़ रहा है।

5 साल रोकनी पड़ी बुकिंग- वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी (माहेश्वरी) ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार और शनिवार की अत्यधिक मांग को देखते हुए वर्ष 2019 में इन दोनों दिनों के लिए बुकिंग बंद करनी पड़ी थी, जिसे अप्रैल 2024 से पुनः शुरू किया गया है। वर्तमान में मंगलवार और शनिवार के चोले के लिए 1200 रुपये तथा सामान्य दिनों के लिए 700 रुपये की रसीद निर्धारित की गई है, जिसके माध्यम से भक्त अपना क्रम सुरक्षित कर सकते हैं।

इतिहास पर एक नजर- वरिष्ठ पत्रकार राहुल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इतिहास की बात करें तो तलाई वाले बालाजी की प्रतिमा लगभग 700 वर्ष पुरानी मानी जाती है, जो प्रारंभ में एक विशाल वटवृक्ष के नीचे विराजित थी। यह स्थान शहर से दूर सूबा साहब (कलेक्टर) बंगले के पास स्थित था। मंदिर के पास ही एक तलाई थी जिस पर वर्तमान में नगरपालिका तरणताल स्थित हैं। किवदंती हैं कि इस प्रतिमा की स्थापना अत्यंत सिद्ध परमहंस संत द्वारा की गयी थी। बहुत समय तक यहाँ बनी धर्मशाला, तलाई एवं मंदिर साधु संतों एवं जमातों का विश्राम एवं आराधना स्थल रहा। उपलब्ध प्रमाणों से ज्ञात होता हैं कि नगर की प्रमुख फर्म एकामोतीजी के फूलचंदजी चिचानी, बद्रीलालजी सोमानी व नत्थूसिंहजी तोमर ने लम्बे समय तक अपनी सेवाएं दी। अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन पूज्य राजारामदासजी महाराज अधिष्ठाता और श्री पंचमुखी बालाजी मंदिर, भीलवाड़ा ने भी 1940 ई. में यहाँ रहकर साधना की।

अयोध्या में रामलला प्रतिष्ठा के दिन चढ़े स्वर्णकलश- सन् 1964 में बालाजी मंदिर न्यास के गठन के बाद मंदिर परिसर का योजनाबद्ध तरीके से विस्तार किया जा रहा हैं । 1995 के पश्चात् मंदिर के पुनर्निर्माण के कार्य के अंतर्गत 85 फ़ीट ऊँचा शिखर तथा निज मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के रामलला के प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत ही मन्दसौर में भी मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 से 25 जनवरी 2024 तक 6 दिवसीय स्वर्ण कलशारोहण एवं 108 कुण्डीय श्री हनुमन्त महायज्ञ का आयोजन भी हुआ था।

28 वर्षों के निरंतर निर्माण के सफर के बाद 25 जनवरी 2024 को अभिजीत मुहूर्त में यहां स्वर्ण कलश की स्थापना हुई। इतना ही नहीं 108 कुण्डीय श्री हनुमन्त महायज्ञ के लिये अयोध्याधाम में बनी यज्ञशाला की तर्ज पर ही वहां के ही यज्ञ शिल्पियों ने मन्दसौर यज्ञशाला का निर्माण भी किया था और पूरा महोत्सव राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध भी हुआ था।

ओबामा की जीत के लिये हुआ था अनुष्ठान- बअमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के दौरान प्रत्याशी के रूप में खड़े हुए बराक ओबामा की जीत को लेकर श्री तलाई वाले बालाजी मन्दिर के दरबार में अनुष्ठान भी हुआ था। अमेरिका में रहने वाले परिवार, जो बालाजी को अपना इष्ट मानता है उस परिवार ने यहां अनुष्ठान और धार्मिक आयोजन कर जीत की मनोकामना मांगी थी। गौरतलब है कि चुनाव के दौरान बराक ओबामा ने विजयश्री का वरण भी किया था।

ट्रस्ट के माध्यम से हो रहा है विकास- श्री तलाई वाले बालाजी के निज स्थान से लेकर मन्दिर और सम्पूर्ण परिसर के विकास का दौर निरंतर जारी है। परम पूज्य दादाजी पंडित कृष्णशंकरजी शास्त्री अधिष्ठाता भागवत विद्यापीठ शोला अहमदाबाद के आशीर्वाद से विकास की शिलाएं निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में बालाजी मंदिर न्यास के अध्यक्ष पद को धर्मनिष्ठ, समाजसेवी, एडवोकेट धीरेन्द्र त्रिवेदी सुशोभित कर रहे हैं। उनके साथ पूर्ण समर्पित भाव से कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश सोमानी, उपाध्यक्ष दिलीप जोशी, सचिव धन्नालाल माली, कोषाध्यक्ष गोपाल गोयल, सहसचिव महेश कटलाना व न्यासीगण ओमप्रकाश व्यास, सुशील गुप्ता, अशोक गुप्ता एवं हरिओम सिंह तोमर कार्य कर रहे है।

पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य आरके वर्मा की अपील पर हाईकोर्ट से मिला स्टे, सात दिन का है समय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीजी कॉलेज मंदसौर में प्राचार्य पद एक बार फिर से सुर्खियों में आया है। पूर्व में प्राचार्य रहे आरके वर्मा की अपील पर होईकोर्ट इंदौर द्वारा स्टे देना बताया गया है। यह स्टे वर्तमान प्राचार्य जेएस दुबे के पदस्थापना को लेकर आना बताया गया है। मामले में पूर्व प्राचार्य वर्मा ने स्टे मिलना प्रतिपादित किया है, वहीं वर्तमान प्राचार्य दुबे का कहना है कि उनके पास कोई लिखित में सूचना नहीं पहुंची है। गौरतलब है कि पूर्व में पीजी कॉलेज के प्राचार्य पद पर सीनियर के हिसाब से आर के वर्मा की पोस्टिंग हुई थी। इस बीच प्राचार्य रहे वर्मा चर्चित रहे। बाद में एक आदेश के तहत राज्य शासन ने प्राचार्य पद पर प्रोफेसर ज्योतिस्वरूप दुबे की पदस्थाना आदेश जारी किए। इसके चलते वर्मा के बाद श्री दुबे ने ज्वाईन किया। इस आदेश के मद्देनजर प्रोफेसर आरके वर्मा ने हाईकोर्ट में रिट पीटीशन लगाया था। इस संबंध में वर्मा का कहना है कि हाईकोर्ट इंदौर से आदेश के तहत स्टे मिला है तथा सात दिन का समय दिया गया है। आगे कार्रवाई शासन स्तर पर होगी। वहीं प्राचार्य जेएस दुबे ने कहा है कि उन्हें लिखित में पत्र नहीं मिला है। स्टे में क्या आया है, यह भी नहीं मालूम है। वे अभी भोपाल हैं।

पति को बेहोश कर बांधा व जानलेवा हमला किया, पत्नी को किया गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाने के ग्राम विशनिया में अपने पति को बेहोश कर जानलेवा हमला करने वाली आरोपी पत्नी को पुलिस ने शिकायत के बाद 24 घंटे में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार फरियादी सूरजसिंह पिता तोफानसिंह सौंधिया 19 वर्ष निवासी बिशनिया ने 31 मार्च को थाने पर शिकायत दर्ज कराई, बताया कि उसकी पत्नी मनीषा ने खाने में कोई दवा मिलाकर खिलाई तथा उसे बेहोशी की हालत में उसके दोनों हाथ पीठ के पीछे बांध दिए। मुंह पर रूमाल बांध कर जान से मारने की नियत से कपड़ा काटने वाली कैंची से सीने, गले व कंधे तथा पीठ में वार कर चोट पहुंचाई। इस शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर छानबीन की गई। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपिया मनीषा पति सूरजसिंह सौंधिया 19 वर्ष को ग्राम बिशनिया थाना शामगढ़ से पकड़ा गया, जिसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्य में इंचार्ज थाना प्रभारी शामगढ़ रविन्द्र प्रताप डांगी, सउनि शारदाप्रसाद तिवारी, प्रआ धनपाल जाट, महिला आरक्षक रीतु सोनी, विशालसिंह व टीम का सहयोग रहा।

सहारा इंडिया, बीपीएन एवं प्रज्ञा डेरीज की सम्पति कुर्क किये जाने का आदेश जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर एसडीएम शिवलाल शाक?य द्वारा बताया गया कि वित्तीय स्थापना सहारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटिड मंदसौर एवं बीपीएन रियल इस्टेट एण्ड एलाईड लिमिटेड तथा प्रज्ञा डेरीज एग्रो लिमिटेड के इस्तगासे में उल्लेखित समस्त संपत्ति को म.प्र. निक्षेपकों के हितों के संरक्षण अधिनियम 2000 की धारा 4 के अंतर्गत कुर्क किए जाने का आदेश पारित किया गया है और उक्त आदेश को आत्यांतिक बनाने के लिये माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश, मंदसौर को प्रेषित किया गया, जो इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। म.प्र. निक्षेपकों के हितों के संरक्षण अधिनियम 2000 की धारा 4 के आलोक में कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है कि, धारा 4 के तहत आपके द्वारा कुर्क की गई संपत्ति को क्यों न आत्यांतिक कर दिया जाए, किंतु उक्त नोटिस की तामिली साधारण रीति से किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है।

प्राथमिक विद्यालय ढोलपुरा में प्रवेश उत्सव आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय प्राथमिक विद्यालय ढोलपुरा में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा प्रथम में 6 नवीन विद्यार्थियों का प्रवेश कराया गया। नवप्रवेशित सभी बच्चों का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही बच्चों के हस्तकमल (हैंडप्रिंट) बनवाए गए तथा उन्हें स्लेट एवं पुस्तकें भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री भोपाल सिंह अहीर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री परशराम अहीर, श्री दीपक प्रजापत, श्री शंभूलाल शर्मा, श्री राहुल अहीर आदी।

गुजराती सेन समाज के चुनाव सम्पन्न, बलराम राठौर जिलाध्यक्ष व किशोर सेन बने युवा जिलाध्यक्ष

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला गुजराती सेन समाज की एकता और संगठन शक्ति का अनूठा उदाहरण हाल ही में पानपुर स्थित प्रसिद्ध बंजारी बालाजी मंदिर परिसर में देखने को मिला, जहाँ समाज के जिला स्तरीय चुनाव निर्विरोध रूप से हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुए। निर्वाचन समिति के तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में जिले भर से आए सैकड़ों समाजजनों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई और समाज के उज्जवल भविष्य के लिए सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया।

निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया अनुभवी निर्वाचन अधिकारियों और समिति के सदस्यों की देखरेख में पूर्ण पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन निर्वाचन अधिकारी शंभुसेन राठौर, डॉ. राजेश बोराना, अंतिम देवड़ा, अनिल वक्ता, बाबूलाल परिहार, दिनेश सौलंकी, अर्जुन राठौर, अशोक परमार, राकेश सेन सम्राट, दिनेशसेन सौलंकी, रमेश सेन, श्यामलाल सौलंकी, भवानीशंकर सेन, नागुलाल सेन, राकेश भाटी, राजेश परिहार, सुरेश सौलंकी और ओमप्रकाश परमार द्वारा किया गया। निर्वाचन समिति ने गहन विचार-विमर्श के पश्चात घोषणा की कि वरिष्ठ जिलाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर बलराम राठौर कचनारा तथा युवा जिलाध्यक्ष के पद पर किशोर सेन मानपुरा को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। दोनों ही पदों पर सर्वसम्मति से चयन होने पर उपस्थित समाजजनों ने करतल ध्वनि से इस निर्णय का स्वागत किया।

निर्वाचन प्रक्रिया के सफल समापन के पश्चात बंजारी बालाजी मंदिर में आध्यात्मिक वातावरण के बीच हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। इसके उपरांत भगवान बंजारी बालाजी एवं समाज के आराध्य देव सेन जी महाराज की भव्य महाआरती उतारी गई। आरती के पश्चात नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं द्वारा पुष्पमालाएं पहनाकर आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात् सभी समाजजनों का सामूहिक स्नेहभोज किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित वरिष्ठ जिलाध्यक्ष बलराम राठौर ने समाज के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि मंदसौर जिले में गुजराती सेन सहायता कोष की स्थापना की जाएगी, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद परिवारों और व्यक्तियों की समय पर आर्थिक मदद करना होगा। इस सेवाभावी पहल की शुरुआत करते हुए श्री राठौर ने स्वयं की ओर से कोष हेतु 51 हजार रुपये की राशि दान देने की घोषणा की, जिसकी उपस्थित सभी जनों ने सराहना की। इस अवसर पर विजय भाटीया भानपुरा, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष संजय चौहान बोलिया, मुकेश टांक पत्रकार शामगढ़, सुरेश सौलंकी पिपलियामंडी, भेरूलाल सेन काचरिया जाट, रमेशचन्द्र चौहान नाहरगढ़, ओमप्रकाश केलवा रिछालाल मुआं, राहुल सेन बनी, प्रकाशसेन रणायरा, नंदकिशोर सेन बोरखेड़ी, मुकेश सेन आदि ने भी संबोधित किया।

6 अप्रैल को भाजपा कार्यालय का भूमिपूजन, स्थापना दिवस सीएम यादव और प्रदेशाध्यक्ष भी जुड़ेंगे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 6 अप्रैल को शहर में नए भाजपा कार्यालय का भूमिपूजन किया जाएगा, जिसे लेकर संगठन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। दिगंबर जैन मांगलिक भवन में आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने बताया कि इस मौके पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वर्चुअली जुड़ेंगे। बैठक में जिला प्रभारी व पूर्व सांसद सुभाष पटेल ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बताते हुए कहा कि स्थापना दिवस पर कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर पार्टी का ध्वज फहराएंगे। इसके बाद 7 से 12 अप्रैल तक स्वच्छता अभियान, गांव चलो अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान और सक्रिय सदस्य सम्मेलन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में विधायक दिलीप सिंह परिहार, ओमप्रकाश सकलेचा, माधव मारू, पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महेंद्र भटनागर, हेमंत हरित, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा, जिला महामंत्री धनसिंह कैथवास, नरेंद्र मालवीय और अशोक विक्रम सोनी सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर संगठन में खासा उत्साह है और इसे शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

नीमच में सांदीपनि विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का गरिमामय शुभारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 1 अप्रैल को सांदीपनि विद्यालय नीमच में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ उत्साह, उमंग और गरिमामय वातावरण के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद एवं भाजपा जिला प्रभारी सुभाष पटेल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल के मुख्य आतिथ्य ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। प्राचार्य के. एस. जैन ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर नए विद्यार्थियों का तिलक, माला और पुस्तकें भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों के चेहरे पर नई शुरुआत की खुशी स्पष्ट झलक रही थी। कार्यक्रम में भोपाल से मुख्यमंत्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित राज्य स्तरीय प्रवेश उत्सव का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया, जिसे उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बड़े ध्यान और उत्साह के साथ देखा। प्रवेश उत्सव के अंतर्गत विद्यालय में 30 नए विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया, जबकि लगभग 300 विद्यार्थी इस आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम में उप प्राचार्य महेश शर्मा, प्राथमिक प्रधानाध्यापिका मंजुला धीर, विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नीमच में अफीम उत्सव का आगाज, 6 हजार किसानों की उपज का होगा आकलन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अफीम तौल कार्य का शुभारंभ 1 अप्रैल से मालखेड़ा स्थित वाटर पार्क परिसर में हो गया है। प्रथम खंड की लूणी चिरनी पद्धति से उत्पादित अफीम का तौल 1 अप्रैल से 17 अप्रैल तक किया जाएगा। इस दौरान करीब 300 गांवों के लगभग 6000 अफीम काश्तकारों की उपज का तौल किया जाना प्रस्तावित है।

पहले दिन 20 गांवों के 225 किसान अपनी अफीम लेकर तौल केंद्र पहुंचे। विभागीय कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन 15 से 20 गांवों के 400 से 450 किसानों की अफीम का तौल किया जाएगा।

किसानों की सुविधा के पुख्ता इंतजाम- तौल केंद्र पर किसानों के लिए पांडाल, कूलर, पंखे और ठंडे पेयजल की व्यवस्था की गई है। वहीं सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है तथा पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

मॉर्फिन प्रतिशत बेहतर होने की उम्मीद-प्रारंभिक तौल में अफीम की गुणवत्ता अच्छी रहने और मॉर्फिन प्रतिशत बेहतर आने की संभावना जताई जा रही है, जिससे किसानों में संतोष का माहौल है।

झरड़ों को लेकर किसानों की चिंता- कुछ किसानों ने इस बार 8 से 10 झरड़े (ग्रेड) लगाए जाने पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि अधिक झरड़ों के कारण उपज में कटौती बढ़ सकती है, जिससे नुकसान होने की आशंका है। किसानों ने 2 से 3 झरड़े ही रखने की मांग की है।

विभाग ने दी सफाई- जिला अफीम अधिकारी एल.आर. दिनकर ने बताया कि झरड़ों के माध्यम से अफीम की गाढ़ता और गुणवत्ता का आकलन किया जा रहा है, जिससे किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

तौल की निर्धारित प्रक्रिया- तौल प्रक्रिया के तहत पहले कंटेनर का वजन कर उसे काश्तकार को दिया जाता है। इसके बाद काश्तकार अफीम भरता है, जिसकी जांच कर 25 ग्राम का सैंपल लिया जाता है। सैंपल और कंटेनर को काश्तकार के नाम की स्लिप के साथ सील किया जाता है और अंत में तौल कर पर्ची किसानों को प्रदान की जाती है। अफीम तौल कार्य शुरू होने से जिले के किसानों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

सीनियर और जूनियर में देवास एवं सब-जूनियर में मंदसौर जिला रहा प्रथम

मंदसौर में खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट स्टेट लीग का समापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष विजय कोठारी ने बताया कि कौशल्या रिसॉर्ट में 28 से 30 मार्च तक आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता पेंचक सिलाट स्टेट लीग मध्य प्रदेश का समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में 700 से अधिक खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। सब जूनियर वर्ग में मंदसौर प्रथम, भोपाल द्वितीय तथा रीवा तृतीय रहा। जूनियर वर्ग में देवास प्रथम, रतलाम द्वितीय और राजगढ़ तृतीय स्थान पर रहा। सीनियर वर्ग में देवास ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बालाघाट द्वितीय और जबलपुर तृतीय रहा।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि मंदसौर प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राणा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल ने की। संस्था संरक्षक अनिल कियावत, सांसद प्रतिनिधि गौरव अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, मप्र पेंचक सिलाट एसोसिएशन के अध्यक्ष अबरार एहमद शेख, सचिव अभय श्रीवास, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत, उत्तर मंडल मंत्री दिनेश चंदवानी, प्रयास सेवा समिति की मंजू कोठारी, लता लालवानी, पूर्व डीएसपी अब्दुल रशीद खान, शीतेश बसेरा मंचासीन रहे। सभी अतिथियों ने विजयी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर ऑफिशियल्स, कोच मेनेजर एवं वॉलेंटियर को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया ।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अनिल कियावत ने दिया तथा रूपरेखा अभय श्रीवास ने बताई। पेंचक सिलाट एसोसिएशन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष अबरार एहमद शेख ने सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह एक टीम वर्क हैं और सभी ने एक टीम के रूप में बेहतरीन कार्य किया और आयोजन को सफल बनाया। अतिथियों का स्वागत सैयद आफताब आलम, असलम खान, सुनील हीवे ग्वाला, अशोक गहलोत, कमलेश डोसी, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, हितेश सालवी, शाहिद हुसैन, दीनदयाल भावसार और संजय चौहान ने किया। संचालन जिला एसोसिएशन के सचिव गगन कुरील ने किया तथा आभार जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने माना।

आज के बेटा- बेटी कल का भविष्य है- श्री चौहान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जीरन में बुधवार को स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2026 आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने दीप प्रज्जवलित कर, मॉ सरस्वती का पूजन कर किया । प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नव प्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया एवं निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं 52 विद्यार्थियों को निःशुल्क साईकिलें वितरित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम.मांगरिया ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान ने उदबोधन में कहा, कि आज के बेटे- बेटियां कल का भविष्य है। शासन की मंशा है, कि संसाधनों की कमी से बेटियों की पढाई में बाधा न आये, बेटे-बेटियां मन लगाकर पढें एवं अपने माता-पिता, ग्राम एवं जिले का नाम रोशन करें। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने अपने उदबोधन में कहा, कि बच्चें अपना भविष्य पढाई के माध्यम से ही बदल सकते है उन्होंने शिक्षकों को भी पूर्ण निष्ठा एवं लगन से अध्यापन करवाने के निर्देश दिये।

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा सफेद झूठ बोल रहे हैं, स्कूलों में नहीं हो रही कोई NEET-JEE कोचिंग'

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर कट्टर कांग्रेसी क्षेत्र के प्रखर कांग्रेस नेता पंकज तिवारी सिंगोली ने एक बार फिर भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आड़े हाथों लिया है। इस बार उनके निशाने पर रहे जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा। जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें लफ्फाज करार दिया है। तिवारी ने सोशल मीडिया पर बेबाकी से अपनी बात रखते हुए कहा कि विधायक द्वारा शासकीय स्कूलों में हश्वश्वञ्ज और छ्वश्वश्व की कोचिंग कराने का दावा पूरी तरह खोखला और झूठा है।

पंकज तिवारी ने व्यक्तिगत प्रमाण देते हुए कहा, मेरा स्वयं का बेटा सिंगोली- के सीएम राइज स्कूल में पढ़ता है। वह अपनी पढ़ाई के लिए कोटा के (PW) से ऑनलाइन कोचिंग ले रहा है। स्कूल में आज तक नीट संबंधी एक घंटे की भी कोचिंग नहीं कराई गई। उन्होंने विधायक पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सखलेचा सिर्फ लफ्फाजी कर रहे हैं और धरातल पर शिक्षा के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है।

जावद विधायक की लफ्फाजी की खुली पोल- पंकज तिवारी बोले- मक्कारी की हद है, स्कूल में हश्वश्वञ्ज का एक शब्द नहीं पढ़ाया गया सरकारी स्कूलों में NEET-JEE कोचिंग के दावों को बताया फर्जी। कहा- मेरा बेटा खुद CM Rise में है, वहाँ एक घंटे की भी कोचिंग नहीं हुई।

तिवारी ने विधायक के दावों को सफेद झूठ बताते हुए चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि सरकारी दावों में भले ही कोचिंग चल रही हो, लेकिन हकीकत में छात्रों को बाहर से निजी कोचिंग का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विधायक केवल झूठी वाहवाही लूटने में माहिर हैं, जबकि छात्र और अभिभावक जमीनी हकीकत जानते हैं।

सखलेचा के विकास के दावों पर उठाए गंभीर सवाल- पंकज तिवारी ने सखलेचा के दावों की हवा निकालते हुए कहा कि भाजपा के नेता केवल कागजों और भाषणों में विकास करते हैं। कट्टर कांग्रेसी अंदाज में तिवारी ने साफ कहा कि जावद की जनता अब इस लफ्फाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी।

सम्पादकीय

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं। इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है।

शक्ति व भक्ति का संगम हैं श्री हनुमान जी

चैत्र पूर्णिमा के दिन पुनर्वसु नक्षत्र में भगवान राम के जन्म के बाद शिव खुशी से नृत्य करने लगे और कहा, ÷मेरे भगवान पृथ्वी पर अवतरित हो गए हैं। मुझे भी भगवान के कार्य में भाग लेने के लिए जाना है।÷ शक्ति ने कहा कि मैं भी आऊंगी, इस पर शिव ने कहा कि नहीं क्योंकि मैं वानर का रूप धारण करूंगा और सतह पर ब्रह्मचारी के रूप में रहूंगा। इस पर शक्ति ने कहा कि मैं तुम्हारी पूंछ में निवास करूंगी।

हनुमान का जन्म चैत्र पूर्णिमा को सुबह छह बजे हुआ था। (पूर्णिमा आमतौर पर गुरु तत्व से उद्धरण देती है जैसे आषाढ़ पूर्णिमा पर वेद व्यास, मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर आदिगुरु दत्तात्रेय और बुद्ध पूर्णिमा पर गौतम बुद्ध आदि। हनुमंत शारीरिक रूप में भगवान के सेवक हैं और धर्मनिरपेक्ष रूप में गुरुतत्व हैं क्योंकि शिव गुरुओं के भी गुरु हैं।

श्री माताजी श्री हनुमान जी की शक्तियों का वर्णन करते हुए कहती हैं कि, मर्यादापुरुषोत्तम श्री राम को अपनी सहायता के लिए किसी सचिव की आवश्यकता थी और इस कार्य के लिए श्री हनुमान का सृजन हुआ। श्री हनुमान जी श्री राम के ऐसे सहायक और दास थे और उनके प्रति इतने समर्पित थे कि कोई अन्य सेवक अपने स्वामी के प्रति इतना समर्पित नहीं हो सकता। उनके समर्पण के फलस्वरूप ही शारीरिक रूप से विकसित होने के पूर्व ही उन्हें नवधा सिद्धियाँ प्राप्त हो गईं। इन सिद्धियों के फलस्वरूप उन्हें सूक्ष्म या पर्वतसम विशालकाय शरीर धारण करने की क्षमता प्राप्त हो गई। अत्यन्त उग्र स्वभाव के व्यक्तियों को श्री हनुमान इन सिद्धियों से नियन्त्रित करते हैं।

अपनी पूँछ को किसी भी हद तक बढ़ा कर लोगों को नियन्त्रित करना उनकी एक और सिद्धि है। वे हवा में उड़ सकते है हवा में उड़ने की सामर्थ्य के कारण वे संदेश को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचा सकते हैं।

आकाश की सूक्ष्मता श्री हनुमान के नियन्त्रण में है। वे इस सूक्ष्मता के स्वामी हैं और इसी के माध्यम से वे संदेश भेजते हैं। दूरदर्शन, आकाशवाणी तथा ध्वनिवर्धन उनकी इसी शक्ति की देन हैं। बिना किसी संयोजक के आकाशमार्ग से वायवीय सम्बन्ध स्थापित करना इस महान अभियन्ता का ही कार्य है। यह कार्य इतना पूर्ण है कि आप इसमें कोई त्रुटि नहीं निकाल सकते। अन्दर की सूक्ष्म लहरियों का हमारी नस-नाड़ियों पर, हमारे रोम-रोम पर अनुभव होना भी श्री हनुमान जी की कृपा से है। श्री हनुमान को अणिमा नामक एक अन्य सिद्धि भी प्राप्त है जो उन्हें अणुओं तथा परमाणुओं में प्रवेश करने की शक्ति प्रदान करती है।विद्युत-चुम्बकीय शक्तियों का गतिशील होना श्री हनुमान जी की कृपा से ही होता है। श्री गणेश हमें विवेक प्रदान करते हैं तो श्री हनुमान हमें सोचने की शक्ति देते हैं। सद्-सद्-विवेक उनकी दी गई सूक्ष्म शक्ति है और यह हमें सत्य - असत्य में भेद जानने का विवेक प्रदान करती है। सहजयोग में हम कहते बौद्धिक सूझ-बूझ जैसे यह अच्छा है यह हमारे हित में है, श्री हनुमान जी की देन है। सहजयोग में श्री हनुमान जी का ध्यान हम पिंगला नाड़ी पर करते हुए उनकी शक्ति व सामर्थ्य का साक्षात् परिचय प्राप्त करते हैं।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ÷राम का दास÷ कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- ÷ज्ञानिनामग्रगण्यम÷। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं- ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है- अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

-ललित गर्ग

परंपरा और आधुनिकता के बीच त्रिशंकु बना समाज

वर्तमान समय का मनुष्य एक विचित्र द्वंद्व में जी रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में वह इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है कि उसकी अपनी सनातनी परंपराएँ धीरे-धीरे धुंधलाने लगी हैं। परिणामस्वरूप वह न पूर्णतः आधुनिक बन पाया है, न ही अपने संस्कारों से पूर्णतः जुड़ा रह सका है—वह त्रिशंकु की भाँति दो ध्रुवों के बीच झूलता हुआ एक असंतुलित अस्तित्व बन गया है।भारतीय वैदिक और सनातनी संस्कृति हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है, हमें हमारे 'भारतीय' होने का गहन बोध कराती है। यह संस्कृति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि मनुष्यता, करुणा, सह-अस्तित्व और जीवन के उच्च आदर्शों की वाहक है। 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसे सूत्र केवल वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं, जो समस्त विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति को अध्यात्म प्रधान कहा गया है—यह भौतिकता से परे आत्मा के उत्कर्ष की बात करती है किन्तु दूसरी ओर, पाश्चात्य संस्कृति ने मानव जीवन को तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिकता का नया आयाम दिया है। उसने मनुष्य को प्रश्न करना सिखाया, प्रमाण और तर्क के आधार पर सत्य को परखने की प्रवृत्ति विकसित की। विज्ञान और तकनीक के अद्भुत विकास ने जीवन को सुविधाजनक, सुगम और व्यापक बना दिया है। आज मानव चंद्रमा से आगे बढ़कर सूर्य के रहस्यों को जानने की चेष्टा कर रहा है, और सृजन के नए आयाम खोजते हुए प्रकृति को चुनौती देने का साहस भी दिखा रहा है।

यहीं से द्वंद्व उत्पन्न होता है। एक ओर अध्यात्म की गहराई है, तो दूसरी ओर भौतिकता की व्यापकता। एक ओर परंपरा की स्थिरता है, तो दूसरी ओर आधुनिकता की गतिशीलता। यदि मनुष्य केवल परंपरा से चिपका रहे, तो वह जड़ता का शिकार हो सकता है; और यदि केवल आधुनिकता को अपनाए, तो वह अपनी पहचान और संवेदनाओं से दूर हो सकता है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हमने पाश्चात्य संस्कृति के सार को नहीं, बल्कि उसके बाह्य आवरण को अपनाया है। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है, संबंधों में ऊष्मा कम होती जा रही है, बुजुर्गों के प्रति सम्मान घट रहा है और जीवन एक यांत्रिक प्रक्रिया बनता जा रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी चाह ने मनुष्य को भीतर से रिक्त कर दिया है। परिवारों में अलगाव, अकेलापन और तनाव की स्थितियाँ बढ़ रही हैं।

फिर भी यह एकांगी दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। पाश्चात्य प्रभाव ने समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन भी किए हैं।

-संजीव ठाकुर

संतुलित विदेश नीति का सुफल

संकट में ही वास्तविक चरित्र का परिचय मिलता है। इस संदर्भ में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध एक ताजा पड़ाव बनकर उभरा है। अमेरिका और इजरायल बनाम ईरान युद्ध ने विश्व की सुरक्षा, आर्थिकी और स्थिरता को खतरे में डाल दिया है। हर देश को इससे उपजी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, पर भारत ने इस संकट में जैसी कूटनीति का प्रदर्शन किया, वह परिपक्व एवं फलदायी साबित हुई है। इसके परिणाम हमारे सामने हैं। देखा जाए तो पश्चिम एशिया में भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासियों का कल्याण और भूराजनीतिक तथा भूआर्थिकी से जुड़े मुद्दे अहम हैं। भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कुल तेल का लगभग 50 प्रतिशत और कुल गैस का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से तेल एवं गैस ले जाने वाले जहाजों पर हमले शुरू किए, तो नई दिल्ली ने तेहरान के साथ सीधे बातचीत का विकल्प चुना और अपने जहाजों की उस संकरे समुद्री मार्ग से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कराई।

भारतीय तेल और गैस वाहक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा इसीलिए संभव हुई, क्योंकि तेहरान ने नई दिल्ली को अपना मित्र और शत्रु खेमे से दूर माना है। ईरान ने भारत को इस श्रेणी में शामिल किया, क्योंकि भारत ने उस पर हमला करने वाले अमेरिकी-इजरायली खेमे की कोई सामरिक सहायता नहीं की। व्यावहारिक कारणों के चलते भारत ने भले ही अमेरिका-इजरायल आक्रमण की प्रत्यक्ष निंदा नहीं की हो, किंतु युद्ध की शुरुआत से ही भारत बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान के समर्थन में खड़ा है।

इतिहास पर दृष्टि डालें तो भारत ने ईरान के साथ 2003 से ही रणनीतिक साझेदारी निभाई है। इसके अंतर्गत तेल खरीदारी के साथ ही चाबहार बंदरगाह के निर्माण में योगदान दिया। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिमी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण भारत और ईरान के बीच कारोबार कुछ सिकुड़ा है, लेकिन भारत प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के लिए प्रयासरत रहा है। ऐसे में विपक्षी दलों के वे आरोप आधारहीन ही हैं कि मोदी सरकार ने अमेरिका-इजरायल के दबाव में ईरान को ताक पर रख दिया है।

यह भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि एक ओर ईरान स्वयं भारत को अपना मित्र मान रहा है तो दूसरी ओर युद्ध में ईरानी हमलों से त्रस्त खाड़ी के देशों ने भी भारत को खास दोस्त करार दिया है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, बहरीन आदि में एक करोड़ से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। युद्ध में निरंतर बमबारी के बीच इतने विशाल भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा की गारंटी और उनमें से लाखों की घर वापसी तभी संभव हो पाई है, क्योंकि भारत ने खाड़ी देशों की सरकारों के साथ परस्पर विश्वास आधारित संबंध विकसित किए हैं।

युद्ध की शुरुआत से अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लगातार खाड़ी के शीर्ष नेताओं से संवाद बनाए रखा है। खाड़ी देशों ने केवल प्रवासियों के मुद्दे को लेकर ही भारत का साथ नहीं दिया है, अपितु आपात स्थितियों में काम आने वाले भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को भरने में अमीरात और सऊदी की अहम भूमिका भी रही है। ओशियानिया और एशिया से लेकर यूरोप तक जब युद्ध के चलते पेट्रोल और डीजल के दाम आसमानी ऊंचाइयों पर पहुंच गए, तब भारत में कोई वृद्धि नहीं दिखी है। केवल प्रीमियम उत्पादों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। संकट में ऐसे चमत्कारिक परिणाम का पूरा श्रेय हमारी बहुआयामी और संतुलित विदेश नीति को जाता है। इस युद्ध में भारत ही संभवतः ऐसा अकेला देश है जो इजरायल, ईरान और खाड़ी देशों का एकसमान विश्वासपात्र बनकर अपने राष्ट्रीय हितों को साध पा रहा है।

जहां तक मध्यस्थता के मुद्दे की बात है तो पाकिस्तान की सक्रियता के चलते कुछ आलोचकों ने भारत की कूटनीति पर सवाल उठाए हैं, लेकिन यह कसौटी उचित नहीं है। एक तो ईरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थता को किसी भी समर्थन से इन्कार कर दिया है और दूसरा इसे लेकर भारत और पाकिस्तान की तुलना अतार्किक है। अमेरिका ने पाकिस्तान को हमेशा एक मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया है। रिचर्ड निक्सन और रोनाल्ड रीगन से लेकर जार्ज डब्ल्यू बुश एवं बराक ओबामा तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने पाकिस्तान का इस्तेमाल करके चीन, अफगानिस्तान और ईरान में अमेरिकी हितों को ही आगे बढ़ाया है।

जबकि इस्लामिक भाईचारे और सहानुभूति का मुखौटा पहनते हुए भी पाकिस्तान ने अमेरिकी आर्थिक और सैन्य सहयोग के लोभ में इस्लामी पड़ोसियों की पीठ में कई बार छुरा भोंका है। ट्रंप पाकिस्तान के इस दोहरे रवैये से बखूबी वाकिफ हैं जिसका उदाहरण उनका यह बयान भी रहा कि उन्हें इसी प्रकार के कमजोर सौदेबाज देश पसंद हैं। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में यही कहा कि 'मुझे हमेशा हारे हुए लोग अच्छे लगते हैं, क्योंकि वे मेरी सफलता की कहानियां सुनते हैं और गुणगान करते हैं।' उनका इशारा पाकिस्तान की ओर ही था।

इससे पहले पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करके, उन्हें भारत के साथ परमाणु युद्ध रोकने वाले मसीहा के रूप में सम्मानित करके और रियल एस्टेट, क्रिप्टोकरेंसी तथा खनिजों में संदिग्ध सौदों की पेशकश करके उनके अहं की भरसक तुष्टि का प्रयास किया है। पाकिस्तान के जैसे पैंतरे भारत सरीखे स्वाभिमानी और उभरती महाशक्ति को शोभा नहीं देते। जिन तौर-तरीकों से पाकिस्तान पश्चिम एशिया के युद्ध में समाधान प्रदाता के रूप में पेश आ रहा है, उनसे स्वायत्तता और संप्रभुता का नुकसान होता है। वैसे भी ट्रंप जैसे अस्थिर व्यक्ति का चापलूस बनकर पश्चिम एशिया में मध्यस्थता करना खतरों से खाली नहीं है और भारत ने इस मामले में परहेज करके अपने आप को अनावश्यक उलझनों से बचाने का ही काम किया है।

वस्तुतः, इस युद्ध में भारत की कारगर रणनीति ने पश्चिम एशिया और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अपनी स्थिति को और मजबूत करने की संभावनाओं को खुला रखा है। किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट में विकल्प सरल नहीं होते हैं और भारत ने सबसे तर्कसंगत मार्ग चुना है, जिससे दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होंगे।

-धनंजय राजौरा

ध्वस्त हुआ लाल गलियारे का सपना

लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह की ओर से दिए गए इस कथन को चुनौती देना कठिन है कि मैं कह सकता हूं कि हम माओवाद से मुक्त हो चुके हैं। माओवाद के अंतिम सांसें गिनने की स्थिति में पहुंचने के साथ ही माओवादियों के लाल गलियारा बनाने का सपना चकनाचूर हो गया। माओवादियों द्वारा भारत में लाल गलियारे की संकल्पना असल में चीनी विस्तारवाद का ही एक हिस्सा था।

यह गलियारा नेपाल से शुरू होकर भारत के बिहार, बंगाल, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश होते हुए कर्नाटक तक फैला हुआ था। एक समय में माओवादियों ने देश के लगभग 100 जिलों में अपनी समानांतर सरकारें स्थापित कर ली थीं। उस दौर में ÷मेरे नेता माओ÷ जैसे नारे दीवारों पर लिखे जाते थे। उस स्थिति के उलट 31 मार्च की समयसीमा के अनुसार भारत में माओवादियों में आत्मसमर्पण की होड़ दिखी।

भारत से इतर नेपाल के परिदृश्य को देखा जाए तो 1994 में माओवादियों ने वहां सशस्त्र संघर्ष शुरू किया। सरकार को मजबूरन उनके साथ समझौता करना पड़ा। 25 मई 2006 को नेपाल सरकार और माओवादियों के बीच युद्धविराम हुआ। इस युद्धविराम को लेकर उनकी कुछ प्रमुख शर्तें थीं। इनमें नेपाल में राजशाही का अंत, संसदीय लोकतंत्र की स्थापना, नया संविधान, माओवादियों के हिंसक दस्ते पीएलए की सेना में भर्ती और हिंदू राष्ट्र रहे नेपाल को एक सेक्युलर देश बनाने जैसी शर्तें शामिल थीं।। चीन का समर्थन प्राप्त करने के लिए नेपाल के माओवादी भारत विरोध का एजेंडा चलाते थे। उनके साहित्य में भारत को एक अजगर सांप के रूप में दर्शाया गया था, जो सिक्किम और नेपाल को हड़पने की कोशिश कर रहा था।

यह दुष्प्रचार इसलिए प्रभावी था, क्योंकि नेपाल के लोग भारत की तुलना में अपने देश को गरीब और पिछड़ा मानते थे। माओवादी चीन के विकास की प्रशंसा करते हुए नेपाल को चीन के करीब ले गए। इसी क्रम में नेपाल के माओवादी नेता सत्या और भारत के माओवादी नेता आजाद ने 8 अगस्त 2006 को एक बयान जारी किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि दोनों का आपसी गठबंधन है।

यानी दोनों चीनी विस्तारवाद के एजेंट हैं। पाकिस्तान की गुप्तचर संस्था आइएसआइ और नेपाल तथा भारत के माओवादियों की बैठक संबंधी समाचार जनवरी 2000 में प्रकाशित हुआ था, जिसमें कहा गया था कि दोनों मिलकर एक 'रिवोल्यूशनरी जोन' बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। नेपाल में मिली सफलता के बाद, 27 जुलाई 2009 को भारत के माओवादियों ने यह घोषित किया कि वे भारत की सत्ता छीनने के लिए अपना ढांचा खड़ा कर रहे हैं।

माओवादियों द्वारा देश के अलगाववादियों का समर्थन और हिंदू संगठनों का विरोध सार्वजनिक था, इसलिए नेपाल को हिंदू राष्ट्र के बजाय सेक्युलर देश बनाया गया। अपनी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों, विशेषकर दिल्ली के जे.एन.यू. में अपनी नर्सरी खोली थी। भारत के माओवादी लेवी वसूली से प्राप्त संपत्ति के मालिक बन गए।

नेपाल में एक ऐसा दौर भी आया जब माओवादी होना गर्व का विषय बन गया था। पुष्प कमल दहाल उर्फ प्रचंड, बाबूराम भट्टराई, केपी शर्मा ओली जैसे माओवादियों की सभाओं में जन सैलाब उमड़ता था। हालांकि, भारत के बाद नेपाल में इनकी सच्चाई सामने आने पर नेपाली जनता उनके प्रति आक्रोश से भर गई और इन्हें भागने पर मजबूर होना पड़ा। माओवादियों के प्रति घृणा का एक उबाल भी सभी ने देखा।

कुछ ही समय पहले नेपाल के संसदीय चुनाव का परिणाम सामने आए। नेपाल में कुल सात प्रदेश, 77 जिले और 165 सीटों पर हुए चुनाव में माओवादी प्रचंड की नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी केवल 4 प्रदेश के 7 जिलों की 7 सीटों पर जीत पाई। केपी शर्मा ओली की एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी कम्युनिस्ट पार्टी 5 प्रदेश के 9 जिलों की 9 सीटों पर ही चुनाव जीत सकी।

प्रचंड किसी तरह चुनाव जीत गए, लेकिन ओली की पराजय चर्चा का विषय बन गई है। नेपाल के चुनाव में जीतने वाले 11 सदस्यों की आयु 30 वर्ष से कम है। 31 से 35 वर्ष के 15 सदस्य और 36 से 40 वर्ष के 31 सदस्य चुनाव जीतकर आए हैं।

कुल 108 निर्वाचित सदस्यों की आयु 50 वर्ष से कम है, यानी यह एक युवा संसद होगी। युवा जोश का रचनात्मक प्रयास नेपाल के भाग्य को बदलने की उम्मीद जगाता है। नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भी युवा आकांक्षाओं के प्रतीक बनकर उभरे हैं।

नेपाल भारत का न केवल एक पड़ोसी देश है, बल्कि दोनों के बीच सांस्कृतिक संबंध भी हैं।

नेपाल में अनेक विदेशी ताकतें सक्रिय रही हैं, जो दोनों देशों के रिश्ते को खराब करना चाहती हैं। कभी-कभी 'वृहद नेपाल' का नारा उछालकर भारत विरोध को भड़काने का काम किया जाता रहा है। माओवादी घायल सांप हैं। जिस तरह भारत में माओवाद के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया गया, उसी तरह नेपाल में भी इनका फन कुचलना होगा।

यह भी स्मरण रहे कि नेपाल हिंदू राष्ट्र है और भविष्य में भी रहना चाहिए। इसके लिए नेपाल को बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठ पर रोक लगाने के साथ ही तेजी से हो रहे ईसाईकरण को भी रोकना होगा। भारत नेपाल के आर्थिक विकास में सहयोग करे ताकि विदेशी ताकतें भारत विरोध को हवा न दे सकें। राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों देशों का मधुर संबंध आज के समय की मांग है।

हरेंद्र प्रताप

विधायक ने विद्यार्थियों का फूल बरसाकर किया स्वागत

घंटी बजाकर किया नए सत्र का शुभारंभ

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नवीन शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक अरुण भीमावद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिन्होंने घंटी बजाकर पहले प्रवेशोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद विद्यालय में आए बच्चों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालय में उपलब्ध भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का पूर्ण उपयोग करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित करने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री भीमावत ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत करते हुवे'स्कूल चले हमश् अभियान के अंतर्गत घंटी बजाकर प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया तथा दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले

विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल भी प्रदान की। इसके साथ ही विद्यालय में नवस्थापित इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला का शुभारंभ भी विधायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, मनोहर विश्वकर्मा, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, मुकेश दुबे, दिलीप त्रिवेदी आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता संस्था प्राचार्य हेमेंद्र यादव ने की तथा संचालन रेखा पुरोहित ने किया।

प्रभारी मंत्री, कलेक्टर व विधायक ने दी बच्चों को शुभकामनाएं- स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत गांधीहाल में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक अरुण भीमावद व कलेक्टर-एसपी भी शामिल हुए। जिन्होंने बच्चों को नवीन सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। प्रभारी मंत्री कुशवाह ने कार्यक्रम के दौरान विगत परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शासन की कल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें और साइकिलें वितरित की गईं। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। प्रभारी मंत्री ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजकर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखें।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए निर्देश जारी, हेल्पलाइन नंबर और वन स्टॉप सेंटर सक्रिय

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस आपातकालीन सेवा 112 को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

इसके अलावा, जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, जहां महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता, परामर्श, आश्रय और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन केंद्रों के माध्यम से पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

नागरिक चाइल्ड एवं महिला हेल्पलाइन पर दे सकते हैं बाल विवाह की सूचना

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेशभर में व्यापक अभियान संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अवसर पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर तक सतर्कता बढ़ाई जाए तथा प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित कर निगरानी रखी जाएगी। ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय कर संदिग्ध विवाहों की सूचना तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस, प्रशासन, शिक्षा और महिला बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बाल विवाह की रोकथाम के साथ-साथ आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। विभाग द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे बाल विवाह जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा पुलिस आपातकालीन सेवा 112 को सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, जिले में संचालित वन स्टॉप सेंटर (सखी केंद्र) को भी पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं, जहां महिलाओं और बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता, परामर्श, आश्रय और कानूनी सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। इन केंद्रों के माध्यम से पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान कर उन्हें सुरक्षा और न्याय दिलाने की व्यवस्था की गई है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा बाल विवाह कराने या उसमें सहयोग करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना तुरंत प्रशासन को देकर बच्चों के सुरक्षित भविष्य में अपनी भागीदारी निभाएं।

शिक्षित बच्चे ही सशक्त राष्ट्र की पहचान हैं - राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर के एमएलबी स्कूल में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिह वर्मा ने जिला स्तरीय स्कूल चलें हम अभियान-2026 का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय तथा कलेक्टर श्री बालागुरू के सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि स्कूल चले हम अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों से कहा कि जिले में शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित किया जाए और यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और राष्ट निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि शिक्षित बच्चे ही सशक्त राष्ट की पहचान हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे समय पर स्कूल पहुंचे और पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें।

उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया तथा अभिभावकों, शिक्षकों तथा संबंधित विभागों को अभियान को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने बोर्ड परीक्षा के उत्कृष्ट अंक हांसिल कर स्कूल का नाम रोशन करने वाली छात्रा तनु परमार को सांकेतिक रूप से स्कूटी की चाबी तथा लैपटॉप राशि का प्रमाण पत्र एवं पूजा भिलाला को लैपटॉप की राशि का प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके साथ ही साइकिल वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को पुस्तकें भी वितरित की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा ने भी संबोधित किया।

फिर शिवमय हुआ नगर का वातावरण, नागर ब्राह्मण समाज ने धूमधाम से मनाई प्रभु हाटकेश्वर जी की जयंती, सुबह से शाम तक हुए धार्मिक आयोजन, चल समारोह भी निकला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मां राजराजेश्वरी की नगरी एक बार फिर शिवमय हो गई और नगरवासियों को अपने महादेव का सान्निध्य मिला, जिनके स्वागत में नगरवासियों ने पूरे शहर की सड़कों को फूलों से भर दिया। इसके पूर्व सुबह से शाम तक महादेव की भक्ति में नगरवासी डूबे रहे।

अवसर था नागर ब्राह्मण समाज द्वारा मनाई गई भगवान हाटकेश्वर जयंती का। आयोजन की शुरूआत बुधवार को प्रातः 8.30 बजे भगवान हाटकेश्वर जी के अभिषेक के साथ हुई, जिसमें समाज के वरिष्ठों ने महादेव का श्रद्धा से अभिषेक कर मंगल कामनाएं की। इसके बाद शाम 5.30 बजे हरायपुरा स्थित हाटकेश्वर धर्मशाला से शोभायात्रा शुरू हुई। जिसमें समाज के पुरूष और महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शोभयात्रा में शामिल होकर भगवान हाटकेश जी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई शाम करीब 7.30 बजे धर्मशाला पहुंची, जहां भगवान हाटकेश्वर जी की महाआरती की गई। उसके उपरांत रात्रि 8 बजे से स्वजनों द्वारा भगवान हाटकेश्वर की महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी समाजजनों ने शामिल होकर भोजन प्रसादी ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास, सुरेश जी मेहता, कैलाशचंद्र मेहता, भगवान दास नागर, लक्ष्मीकांत नागर, राजेन्द्र नागर, अध्यक्ष अनिल नागर, कोषाध्यक्ष मोहनलाल नागर, सचिव प्रसून मेहता, युवा अध्यक्ष अनिल नागर, व्यवस्थापक संजय नागर, राम व्यास, दिलीप नागर, जगदीश नागर, आशीष नागर, श्रीवल्लभ नागर, कोमल नागर, आशीष त्रिवेदी, विजय व्यास, धनन्जय नागर, मनोज मेहता, हरिनारायण नागर, भेरूलाल मेहता, अनिल नागर बापचा, विवेक मेहता, अन्नू नागर, ओपी नागर, दिलीप नागर, दीपक नागर, ऋतिक नागर, चित्रांश नागर, निखिल शर्मा, आशु नागर, महिला अध्यक्ष उर्मिला त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या महिलाएं व समाजजन उपस्थित थे।

जगह-जगह हुआ स्वागत, फूलों से पटी शहर की सड़कें- भगवान हाटकेश्वर जी की जयंती पर शहर में निकाले गए चल समारोह का विभिन्न संगठनों व समाजजनों सहित कई प्रतिष्ठानों से भव्य स्वागत किया गया। सर्व हिन्दू उत्सव समिति द्वारा भी नई सड़क से भगवान हाटकेश्वर जी की शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इसके अलावा कहीं पर समाजजनों को जलपान कराया गया तो कहीं पर पुष्पवर्षा कर शहरवासियों ने भगवान हाटकेश्वर जी का आशीर्वाद लिया। वहीं शोभायात्रा में शामिल महादेव जी की पालकी के भी दर्शन और पूजन के लिए शहरवासियों की कतार लग गई।

सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा हर कैदी

तीन जेल प्रहरी 24 घंटे रखेंगे हर गतिविधि पर नजर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जेल भी अब तीसरी आंख की निगरानी में रहेगी। जहां 24 घंटे हर कैदी की हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। जरा भी गड़बड़ी दिखी तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर तीन जेल प्रहरियों की अलग से ड्यूटी भी लगाई गई है।

गौरतलब है 15 मार्च को एक कैदी फरार हो गया था। इसके बाद से प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। फरारी के बाद अब जेल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्ती इतनी बढ़ा दी गई है कि हर कैदी की हर हरकत पर पैनी नजर रखी जा रही है। कैदियों पर नजर रखने के लिए ब्ब्ज्ट कैमरों की मानिटरिंग के लिए तीन जेल प्रहरियों की अलग से ड्यूटी लगाई गई है। ये प्रहरी 24 घंटे स्क्रीन पर नजर गड़ाए बैठे हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।

20 फीट की दीवार फांदकर भागा था कैदी- जिला जेल में 20 फीट ऊंची दीवार है। जिसे फांदकर भागने में एक कैदी फरार हो गया था। जांच में सामने आया कि फरार कैदी ने जेल की कैंटीन में काम करते हुए पानी के पाइप और तार का जुगाड़ कर दीवार फांद दी। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। हालांकि पुलिस ने तेजी दिखाते हुए फरार कैदी को 18 मार्च को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया था। जिसने बताया था कि वह पिछले पांच महीनों से जमानत नहीं होने के कारण मानसिक तनाव में था। साथ ही उसकी पत्नी और दो छोटे बच्चे आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। परिवार से मिलने की बेचैनी ही उसे इस खतरनाक कदम तक ले गई थी।

अंडरग्राउंड वायरिंग हटाई, न हो दुरूपयोग- घटना के बाद जेल में लगे पुराने हैलोजन सिस्टम की अंडरग्राउंड वायरिंग को बंद कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह के दुरुपयोग की संभावना खत्म हो सके। वहीं इस घटना के बाद जेल प्रहरी प्रदीप वर्मा को सस्पेंड भी किया गया था। फिलहाल जिला जेल में सुरक्षा का ऐसा घेरा तैयार किया गया है, जिसमें बिना नजर आए कोई हलचल करना लगभग नामुमकिन हो गया है।

तिंगजपुर में हनुमान प्रकट उत्सव की तैयारी पूरी, आज धूमधाम से मनाया जाएगा, 24 घंटे रामायण पाठ का आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर जिले के तिंगजपुर गांव में कल हनुमान प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। इस अवसर पर 24 घंटे का रामायण पाठ भी आयोजित किया जा रहा है।

गुरुवार सुबह हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर चोला चढ़ाया जाएगा। शाम 4 बजे बाजार शंकर मंदिर के सामने से शोभायात्रा शुरू होगी। इस शोभायात्रा में डीजे, ढोल, कीर्तन और भजन शामिल होंगे। शाम 7 बजे महाआरती के बाद महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

तिंगजपुर में स्थित त्रिखेड़ापति हनुमान मंदिर अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता है। यहां एक ही सिंहासन पर तीन खेड़ापति हनुमान जी विराजमान हैं। यह एक प्राचीन प्रतिमा है।

शोभायात्रा में डीजे, ढोल, भजन मंडल, महिला मंडल, पुष्प वर्षा और आतिशबाजी मुख्य आकर्षण होंगे। ग्रामवासियों से इस उत्सव में बड़ी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

शहर में आज गूंजेंगे बालाजी के जयकारे, धूमधाम से मनाया जाएगा हनुमान प्रकटोत्सव, मंदिरों में तैयारियां शुरू

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कहीं हनुमान चालीसा का पाठ होगा, कहीं पर सुंदरकांड की चौपाईयां गूंजेंगी तो कहीं पर हनुमान लला के जन्मोत्सव पर दिनभर लोग भक्ति में रमकर उनकी आराधना करेंगे। क्योंकि शहर में आज हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर शहर में तैयारियां कई दिनों से की जा रही है जो अब अंतिम रूप में हैं। शहर के डांसी हनुमान मंदिर, मुरादपुरा हनुमान मंदिर, श्रीघाट स्थित हनुमान मंदिर, भावसार मोहल्ला स्थित मंदिर, खेड़ापति हनुमान मंदिर सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में गुरूवार को दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं टंकी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर में भी प्रभु का आकर्षक श्रृंगार किया जाकर प्रसादी वितरण किया जाएगा। इसके अलावा जिले के बोलाई स्थित श्री सिद्धवीर हनुमान मंदिर पर भी हनुमान प्रकटोत्सव कार्यक्रम धुमधाम से मनाया जाएगा।

हनुमान जी को लगाएंगे छप्पन भोग - नगर के कई हनुमान मंदिरों में प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिरों में इस दिन प्रातः 6 बजे से तो देर रात तक धार्मिक आयोजन, सुंदरकांड के पाठ व हवन-पूजन होंगे। इसके बाद प्रभु को छप्पन भोग लगाया जाएगा तो कहीं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

बालवीर हनुमान मंदिर पर की आकर्षक सज्जा- शहर के बालवीर हनुमान मंदिर पर भी आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। जहां सुबह हनुमान जी का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। इसके पूर्व उनका अभिषेक होगा। इसके बाद दिनभर प्रसादी वितरण किया जाएगा। इसके लिए कई दिनों से मंदिर पर तैयारियां की जा रही हैं। वहीं मंदिर पर आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई है। जो सभी शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

अब ज्यादा दाम पर मिलेगी प्रॉपर्टी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में 1 अप्रैल से जमीन की खरीद महंगी हो गई है। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड भोपाल ने वर्ष 2026-27 के लिए नई गाइडलाइन दरों को मंजूरी दी है, जिसके बाद जिले की 754 लोकेशन पर दरों में 10 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि लागू की गई है। इन लोकेशन में 317 शहरी और 437 ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं, जबकि 620 लोकेशन पर दरें पहले जैसी ही बनी हुई हैं। नई दरें लागू होने से अब प्रॉपर्टी खरीदारों को अधिक भुगतान करना होगा। दरों में वृद्धि की आशंका के कारण मार्च के अंतिम दिनों में पंजीयन कार्यालयों में भारी भीड़ देखी गई। अवकाश के दिनों में भी रजिस्ट्री कार्यालय खुले रहे और 31 मार्च को बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी संपत्तियों का पंजीयन कराया। शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में अलग-अलग दरों से वृद्धि की गई है। कुछ इलाकों में मामूली बढ़ोतरी हुई है, वहीं नाग-नागिनी रोड, सरस्वती नगर और नई सड़क जैसे क्षेत्रों में 20 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। यही नहीं जमीन के साथ-साथ भवन निर्माण लागत में भी वृद्धि की गई है। नगर पालिका क्षेत्र में आवासीय निर्माण की लागत 10 हजार से बढ़ाकर 11 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर कर दी गई है। व्यावसायिक निर्माण के लिए यह दर 13 हजार रुपए और कार्यालय-गोदाम के लिए 12 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है। नगर परिषद और ग्रामीण क्षेत्रों में भी निर्माण लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना काल के बाद निर्माण लागत में यह पहली वृद्धि है। इस बढ़ोतरी से अब संपत्ति की खरीद और निर्माण दोनों ही महंगे हो गए हैं।

करंट लगने से 10 वर्षीय बालक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जलोदा गांव में बुधवार दोपहर एक 10 साल के बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। जलोदा निवासी अखिलेश (10 साल) पिता शंकर अपने घर के बाहर लगी पानी की मोटर का वायर निकालने गया था। इसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजन तुरंत बालक को शाजापुर जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर हालत के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चे का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है।

किसान देश का अन्नदाता है, उपार्जन में किसानों को कोई परेशानी न हो - राजस्व मंत्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 10 अप्रैल से शुरू होने वाले गेहूं उपार्जन को लेकर तैयारियों के संबंध में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में गेंहू उपार्जन के लिये आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है। उपार्जन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर छाया, पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही तौल कांटों की पर्याप्त व्यवस्था और उनकी नियमित जांच करने के भी निर्देश दिए।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि गेहूं की तौल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाए और तौल में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारी किसी भी प्रकार से स्थिति का अनुचित लाभ न उठा सकें, इसके लिए सख्त मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों के साथ शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार किया जाए और सर्वेयर नियमों के अनुसार कार्य करें। किसी भी किसान को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें और यदि कहीं कोई अनियमितता पाई जाए तो तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर भी विशेष जोर देते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिकायतों का निराकरण तत्काल किया जाए, ताकि किसानों को बार-बार भटकना न पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि जिले के लिए आवश्यक बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है और इस दिशा में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। बैठक के दौरान राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग कंपनी आईटीसी द्वारा इस वर्ष 40 प्रतिशत गेंहू खरीदने की संभावना है। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समन्वय के साथ कार्य करते हुए गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और किसानों के हित में सफल बनाया जाए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांकः सम्पत्तिकर/2026/ उज्जैन, दिनांक : 01.04.2026

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
05	40	639	मू.क्रं. 1/4 सर्वे 163/3 एवं 167/210/1/2 का भाग पंवासा उज्जैन	विष्णु मदेरा गीर पति महेश गीर निवासी रामीनगर	ममता गीर पति महेश गीर निवासी छोटी कमल कालोनी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	638	मू.क्रं एस 09 सर्वे 135/2 का भाग पंवासा उज्जैन	प्रमोदशंकर पिता स्व बालगंगाधर जी खण्डेलवाल द्वारा गौरव पिता प्रमोदशंकर जी, निवासी शिवधाम परिसर उज्जैन	किरण पति त्रिवेणी प्रसाद तिवारी निवासी पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	637	मू.क्रं 124 ए व 124 बी सेक्टर बी सर्वे 15/2/2/1 का भाग पंवासा उज्जैन	अंजलि मैना पति रितेश मैना निवासी पंवासा	संगीता पति संतोष जी निवासी ताजपुर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	43	642	मू.क्रं सर्वे 4156/1 4156/2 4161 4162 4163 4164 4165 आदि का भाग जिनेन्द्र विहार कालोनी ओरा पार्क उज्जैन	प्रज्ञा सागर शिक्षण एवं जनकल्याण संस्था समिति द्वारा शर्मिला पति ऋषभ जैन निवासी शास्त्री नगर उज्जैन	जितेन्द्र पिता गोपीलाल जी संघवी निवासी क्षपणक मार्ग मंडी उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	629	मू.क्रं 206 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	श्याम पिता रामलाल सूर्यवंशी निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	631	मू.क्रं 71 सर्वे 22/3 मी 23/1 का भाग यशोदा नगर पंवासा उज्जैन	रमेशसिह पिता पदमसिंहजी द्वारा नरेन्द्र सिंह पिता स्व प्रताप सिंह ठाकुर निवासी पटेल कालोनी	आशाबाई पति हिन्दूसिंह जी निवासी प्रेमनगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	632	मू.क्रं.– 29/बी के भाग उधोगपुरी मक्सी रोड उज्जैन	केशरीमल पिता नन्दलाल जैन निवासी 200 विवेकानंद कालोनी	मेसर्स युनिक इण्डस्टीज पार्टनर 1 अमित पिता केशरी मल जैन 2 सुमित पिता केशरी मल जैन निवासी विवेकानन्द कॉलोनी	विक्रय पत्र
05	40	633	मू.क्रं 18 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	प्रियंका पति स्व संतोष खोचनवार निवासी देवास	विक्रय पत्र
05	40	624	मू.क्रं 41 ए 41 बी सर्वे 163/3 का भाग वर्मा नगर पंवासा उज्जैन	सुनिता पति मानसिंह जी मालवीय निवासी पंवासा	राधा पति राकेश सोलंकी निवासी देवास रोड	विक्रय पत्र
05	43	625	मू.क्रं. 117 म्यु क्र 103 लक्ष्मी नगर कालोनी उज्जैन	रामरतन पिता स्व जमनाप्रसाद जी नामदेव निवासी लक्ष्मी नगर	जितेन्द्र पिता ओमप्रकाश जी वर्मा निवासी लक्ष्मी नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	626	मू.क्रं 91 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	रंजीता पति शम्भु सिंह भाटी निवासी रतलाम	विक्रय पत्र
05	40	656	मू.क्रं. 80 श्रीनगर कालोनी शंकरपुर उज्जैन	रूखमा बाई पति पन्नालाल जी	हेमराज पिता हरिदास भाटिया निवासी शंकरपुर	विक्रय पत्र
				निवासी जयवंतपुर खेडा		
05	41	655	मू.क्रं बी 59 कार्नर अंजुषा कालोनी मक्सी रोड उज्जैन	गंगाराम पिता मुलचन्द्र धाकड निवासी महालक्ष्मी नगर उज्जैन	सत्यनारयण पिता रामचन्द्र परमार निवासी अंजुषा एन्क्लेव उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	653	मू.क्रं 109 ब्लाक ए सर्वे क्र 189/4/2/3/1/2 का भाग मयंक परिसर पंवासा उज्जैन	दीपा पति दीपक सिंह पंवार निवासी पंवासा	रीना पति रवि दायमा निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	40	651	मू.क्रं 123 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	दीपक सिंह पिता भारत राठोड निवासी देपालपुर	दान पत्र
05	40	650	मू.क्रं 07 एलआईजी सरदार पटेल पार्क लोटस प्लेटिनम कालोनी के पास उज्जैन	01 रामप्यारी बाई पति अशोक कुमार पाटीदार 2 मेसर्स सरदार पटेल बिल्डकॉन एल एल पी द्वारा 1 राजेश पिता स्व गौरीशंकर 2 ब्रज पिता कमल गोठी द्वारा ओमप्रकाश पिता स्व गौरीशंकर राठौर निवासी नानाखेडा	दिलीप पिता पुरालाल निवासी नजरपुर	विक्रय पत्र,
05	40	649	मू.क्रं. 20 पश्चिम भाग सर्वे 754/1/9 754/1/9 भाग उण्डासा उज्जैन	सुनीता पति प्रेमसिंह निवासी महिदपुर	मनीषा पति दिलीपजी चौहान निवासी विक्रम मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	648	मू.क्रं 02 उत्तर भाग पाण्डयाखेडी उज्जैन	सुन्दरबाई पति हिरदास बिसरोतिया निवासी कंचनपुरा	शकुन्तला पति स्व राजू बिसरोतिया निवासी कंचनपुरा	शपथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	41	646	मू.क्रं.– 372 बी सर्वे 201/2/1 का भाग गोरी नगर बी पाण्डयाखेडी उज्जैन	तरूणा पति सुनील पाटिल निवासी पंवासा	जगदीश पिता लक्ष्मीनारायण निवासी बाडकुम्मेद	विक्रय पत्र
05	43	657	मू.क्रं.– 143 पुराना 77 लक्ष्मी नगर उज्जैन	गीता पति राजेश तिलकर निवासी कालिदास मार्ग	उत्तम कुमार पिता रामनिवास जी मरमट निवासी डिवाइन सिटी देवास रोड	विक्रय पत्र
05	43	658	मू.क्रं. 18 म्यु क्र 259 लक्ष्मी नगर उज्जैन	1 राजेश पिता रामकृष्ण बुरडे 2 अर्चना पति राजेश बुरडे निवासी लक्ष्मीनगर	1 राजेन्द्र पिता दशरथ लाल लोदवाल 2 पदमा पति राजेन्द्र लोदवाल निवासी किशनपुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	605	मू.क्रं.– सर्वे 41/1 42/2 44/3 आदि का भाग पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	गीताबाई पति शांतिलाल जी परमार निवासी पंवासा	श्याम पिता स्व बजरंगलाल जी मरमट निवासी नारायणपुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	56	मू.क्रं.– 15/11 केसरबाग परिसर पंवासा उज्जैन	डुंगरलाल पिता मोहनलाल चौकसे निवासी मालीपुरा	1 प्रकाश चन्द्र पिता भैरूलाल मालवीय 2 मंजू पति प्रकाश चन्द्र मालवीय निवासी रतलाम	विक्रय पत्र
05	41	679	मू.क्रं. 147 विनायक पार्क कालोनी प्रिमियम पाण्डयाखेडी मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा, निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	दिनेश पिता मांगीलाल बामनिया निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	41	675	मू.क्रं 231 व 232 सर्वे 117/2 का भाग नीमनवासा उज्जैन	गीताबाई पति स्व कुवरजी माली द्वारा चुन्नीलाल पिता चिंतामण जी निवासी मालीपुरा	पुरनबहादुर राणा पिता दिलबहादुर राणा निवासी नागझिरी उजजैन	विक्रय पत्र
05	41	676	मू.क्रं. 356 महामंगल सिटी नीमनवासा उज्जैन	श्री अर्थव डेवकॉन प्रा. लि. श्री रविन्द्र पिता कैलाष सोलंकी निवासी– 117, प्रथम तल सिद्धिविनायक ट्रेड बेताल मार्ग शहीद पार्क उज्जैन	हुकमचंद पिता भेरूलाल जी कोठारी निवासी मनोरमागंज मेन रोड इन्दौर	विक्रय पत्र
05	40	677	मू.क्र 24 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	सरिता पति सुनील सोलंकी निवासी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	686	मू.क्र 10 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर	1 नेहुल पिता सुमंत भटनागर 2 नीतू पति नेहुल भटनागर निवासी आगर मालवा	विक्रय पत्र
05	41	687	मू.क्रं 351 सर्वे 201/1/3/मिन 3 शिवधाम कालोनी पांडयाखेडी उज्जैन	दीपक कुमार पिता रामप्रसाद जी द्वारा सुहैल पिता शोयब खान निवासी नई सडक उज्जैन	कुसुम पति यशवंत सोलंकी निवासी लाला लाजपत राय मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	688	मू.क्रं.– 119 महामंगल सिटी नीमनवासा उज्जैन	1 सुरेन्द्र सिंह पिता पूरन सिंह राजपूत 2 अब्दुल पिता मो इशाक निवासी आदर्श नगर	1 हेमलता पति स्व रमेशचन्द्र जी 2 प्रियंका पति सुनील मालवीय निवासी रामी नगर	विक्रय पत्र
05	41	689	मू.क्रं सर्वे 173/6/4 पूर्व भाग पाण्डयाखेडी उज्जैन	राम चन्द्र पिता बापूजी जादम निवासी पाण्डयाखेडी	पवन पिता दुलीचन्द्र निवासी पाण्डयाखेडी	विक्रय पत्र
05	41	680	मू.क्रं. 146 विनायक पार्क प्रिमियम कालोनी पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 शैलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	दिनेश पिता मांगीलाल बामनिया निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	41	681	मू.क्रं. 10 सर्वे 283/1/1 का भाग नीमनवासा उज्जैन	1 समदूबाई उर्फ सुमनबाई पिता स्व उमारव पति मांगीलाल जी 2 कविता बाई द्वारा सत्यनारायण निवासी निमनवासा	किरण पति पदम सिंह निवासी आगर मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	682	मू.क्रं 177 व सर्वे 177/4/1 178 व 177/2/मीन 1 प्रदीप विहार पंवासा उज्जैन	लता बाई पति किसनराव सालुंके निवासी पंवासा	माया बाई पति रमेषचन्द्र निवासी ताजपुर	विक्रय पत्र
05	41	683	मू.क्रं. 79 ब्लाक बी तिरूपति सोलिटेयर पाण्डयाखेडी उज्जैन	1 भीम सिंह पिता पोपा सिंह सोलंकी, 2 राजकुंवर बाई पति पोप सिंह, निवासी घटिटया	रतन बाई पति देवीलाल सिसोदिया निवासी घाटपिपल्या	विक्रय पत्र
05	41	684	मू.क्रं 90 व सर्वे क्र 117/2 का भाग 117/2/मिन 1 का भाग संगमनगर नीमनवासा उज्जैन	शिल्पा पति विशाल अग्रवाल निवासी ज्योति नगर उज्जैन	धीरज पिता गोपाल प्रजापत निवासी नानाखेडा	विक्रय पत्र
05	40	697	मू.क्रं 158 सर्वे 177/4/1 का भाग पंवासा उज्जैन	1 अशोक पिता कैलाशचन्द्र चौहान 2 जयराजसिंह 3 जुबेर 4 दिलीप	रामकुंवर बाई पति मोहनलाल कुमावत निवासी जवासिया देवास	विक्रय पत्र
				निवासी एल पी भार्गव नगर उज्जैन		
05	40	670	मू.क्रं 01 उत्तरी भाग सर्वे 135/2 का भाग पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	प्रमोदशंकर पिता स्व बालगंगाधर जी खण्डेलवाल द्वारा गौरव पिता प्रमोदशंकर जी खण्डेलवाल निवासी शिवधाम परिसर उज्जैन	मीना पति महेश शर्मा निवासी सीहोर	दान पत्र
05	41	720	मू.क्रं डी 5 व डी6 सर्वे 368/1 373/2 369 का भाग चकोर धाम कालोनी नीमनवासा उज्जैन	शांताबाई पुत्री गिरधारीलालजी द्वारा जगदीश पिता रामलालजी योगी निवासी विश्व बैंक कालोनी	रामरतन पिता स्व पन्नालालजी नन्देडा निवासी देवास रोड	विक्रय पत्र,
05	17	719	मू.क्रं. 05 गुलमर्ग बाग कालोनी सेंटपाल स्कूल रोड उज्जैन	हेमलता पति ओमप्रकाश जी आहुजा निवासी शिवाजी पार्क	आकांक्षा पति उमेश सिह भदौरिया निवासी मोहन नगर	विक्रय पत्र
05	41	721	मू.क्रं डी व डी 4 सर्वे 368/1 373/2 369 का भाग चकोर धाम कालोनी नीमनवासा उज्जैन	शांताबाई पुत्री गिरधारीलालजी द्वारा जगदीश पिता रामलालजी योगी निवासी विश्व बैंक कालोनी	राजपालसिंह पिता इन्द्रराजसिंह जी निवासी नागझिरी	विक्रय पत्र
05	17	695	मू.क्रं.– एल 10 क्रिस्टल पार्क कालोनी उज्जैन	सायमा बी पति रिजवान एहमद कुरैशी निवासी नागझिरी	1 राहुल पिता विक्रम भाटी 2 सविता पति राहुल भाटी निवासी राजीव नगर	विक्रय पत्र
05	38	694	मू.क्रं.– 13 वररूचि मार्ग उज्जैन	1 महेश पिता स्व इन्दरमल जी डागा 2 सतीश पिता स्व इन्दरमल, नि वररूचि मार्ग	1 डॉ सर्वेश पिता सुरेश माहेश्वरी 2 डॉ अदिति पुत्री राजेन्द्र निवासी महिदपुर	विक्रय पत्र

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित झोन के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, नियत अवधी के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोटः– उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक : 01.04.2026

महिदपुर में बड़ी लापरवाही! ग्राम डेल्ची बुज़ुर्ग के आंगनवाड़ी में बांटी गई एक्सपायरी दवाइयां, विरोध करने पर ग्रामीणों से बदसलूकी

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के महिदपुर तहसील से एक बेहद चौंकाने वाला और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां पर डॉक्टर को भगवान का रूप माना जाता है वह पर ही बच्चों और महिला को मौत के मुंह में डालने का काम किया जा रहा था ग्राम डेलची बुजुर्ग के नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में मासूमों और महिलाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यहाँ कथित तौर पर एक्सपायरी डेट की दवाइयां बांटी जा रही थीं, और जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, तो अधिकारियों ने समाधान के बजाय दादागिरी दिखानी शुरू कर दी।

पूरा मामला तब उजागर हुआ जब आंगनवाड़ी से ग्रामीणों को फोन कर बुलाया गया कि विभाग के अधिकारी सकील मोहम्मद नागोरी निरीक्षण के लिए आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस दौरान वहां मौजूद महिलाओं को जो दवाइयां दी गईं, वे एक्सपायर हो चुकी थीं। जैसे ही ग्रामीणों ने दवाइयों की तारीख देखी और आपत्ति जताई, माहौल तनावपूर्ण हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी सकील मोहम्मद नागोरी ने गलती मानने के बजाय ग्रामीण के हाथ से दवाइयां छीन लीं और उनके साथ बदतमीजी की। हद तो तब हो गई जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत बड़े अधिकारी बीएमओ शोभना भाबर से फोन पर की। आरोप है कि बीएमओ ने भी समस्या सुनने के बजाय अपना रोब झाड़ा और कहा कि आप कोई अधिकारी नहीं हो जो मुझसे बात कर रहे हो। विवाद इतना बढ़ा कि मौके पर डायल 112और महिदपुर रोड थाना पुलिस को पहुंचना पड़ा।

अब सवाल यह उठता है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इसी तरह जनता की जान से खेलेंगे हमारे संवाददाता ने बीएमओ शोभना भाबर को कॉल कर के पूछा तो उन होने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि उन के सात स्टाफ और फार्मेसी नहीं है तो वहां दवाई चेक करके कैसे दे हां श्हह्य के पैकेट एक्सपायरी डेट के है

और शिकायत करने पर क्या ग्रामीणों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार उचित है? देखना होगा कि जिला प्रशासन इन लापरवाह अधिकारियों पर क्या कार्रवाई करता है।

पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग जायज - फुंदे लाल मार्को विधायक

पत्रकारों के हितों के लिए कार्य करता हे आई एफ डब्लू जे- अवधेश भार्गव राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ का 28 मार्च एवं 29 मार्च 2026 को दो दिवसीय 144 वीं कार्यसमिति तथा मध्य प्रदेश इकाई की बैठक माँ नर्मदा के उदगमस्थल अमरकंटक में पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदे लाल सिंह मार्को के मुख्यातिथ्य में आयोजित हुई। जिसमें अमरकंटक नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती सिंह अनूपपुर, भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम,रज्जुसिंह नेताम उपाध्यक्ष नगरपरिषद अमरकंटक , शहडोल के प्रमुख पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के प्रमुख, रामविलास शर्मा मुरैना , सत्यनारायण वैष्णव प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ,रामगोपाल बंसल प्रदेश महासचिव , घनश्याम डंडोतिया प्रदेश कोषाध्यक्ष , राधाकृष्ण सिंहल प्रदेश उपाध्यक्ष, नलिनीकांत वाजपेई जबलपुर विशिष्टअतिथि के रूप में मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव द्वारा राष्ट्रीय कार्यसमिति तथा प्रदेश इकाई बैठक की अध्यक्षता उपेंद्र गौतम अध्यक्ष द्वारा की गई। प्रदेश संगठन प्रभारी राहुल राणा शहडोल के नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर किया गया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक राहुलसिंह राणा,कमलेश श्रीवास्तव,विजय उरमलिया,अरविंद द्विवेदी, शैलेन्द्र तिवारी, राजनारायण द्विवेदी, अनिल द्विवेदी मनोज सिंह अजयपाल , गणेश केवट जितेंद्र विश्वकर्मा श्रवण कुमार उपाध्याय , सुनीता सिंह, व उनकी टीम द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर व बैज लगाकर किया गया। अतिथियों का स्वागत पी. रामकृष्णन आंध्रप्रदेश,रमेश गांधी राजस्थान, दिलीप शाह राजस्थान,श्याम नाथ व अनमोल कुमार बिहार,गिरजाशंकर उत्तरप्रदेश,सुनील थपलियाल सुलोचना पयल उत्तराखंड भरत जी व चन्द्रहास दमोलकर गोआ, गिरिराज बंजारिया आगर मालवा, राजेन्द्र जोशी मनासा , हितेश मावलंकर मुंबई,भगवान भारद्वाज दिल्ली,अब्दुल शकूर आन्ध्रप्रदेश,अभिषेक जैन व कृष्णानंद शास्त्री ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक फुंदे लाल मार्को ने सम्मेलन में सभी राज्यों से पधारे पत्रकारों का स्वागत करते हुए कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून और पत्रकारों के जीविकोपार्जन,स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने व मीडिया काउंसिल के गठन की मांग को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव ने मीडिया काउंसिल के गठन,पत्रकार सुरक्षा कानून एवं पत्रकारों को कल्याणकारी योजनाओं स्वास्थ्य सुरक्षा और अधिमान्य पत्रकारों के लिए शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता समाप्त करने और पत्रकार पेंशन योजना को सरल बनाने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से करतल ध्वनि से पारित किया गया। मध्यप्रदेश के अध्यक्ष उपेन्द्र गौतम ने अपने उदबोधन में कहाकि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ देश का पहला ट्रेड यूनियन से रजिस्टर्ड पत्रकार संगठन है जिसकी स्थापना 1950 में हुई तभी से यह संगठन पत्रकारों के हित में कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि अब मध्यप्रदेश में तेजी से संगठन का विस्तार किया जा रहा है। संगठन प्रदेश के पत्रकारों के हित में शासन द्वारा जारी योजनाओं का लाभ पत्रकारों को दिलाने का काम करेगा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस एन श्याम बिहार,गुलबहार गौरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उत्तराखंड,रमेश गांधी राजस्थान,इरशाद खान राष्ट्रीय महासचिव , अनमोल कुमार अध्यक्ष बिहार,हितेश मलनकर महाराष्ट्र,भरत बेतकेकर गोआ,दीपक कलवड़े महाराष्ट्र,सुश्री सुलोचना पयल उत्तराखंड स्वामी जगदिशानंद विनोद कारकेय जी ने अपने विचार व्यक्त किये। अतिथियों का स्वागत राहुल सिंह राणा ने किया।

इससे पूर्व शहडोल में 5 किलोमीटर विशाल ऐतिहासिक वाहन रैली निकाली गई है। राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का 5 ब्लॉकों बुड़ार, धनपुरी, अमलाई, बरगवा में पत्रकार गण व्दारा स्वागत किया गया।

अमरकंटक राष्ट्रीय पत्रकारअधिवेशन में इन पत्रकारों ने की भागेदारी- शहडोल से सगीर खान छोटे गुप्ता अजय केवट निलेश गुप्ता श्याम दास मानिक पूरी अखलेश मिश्रा। राजेंद्र त्रिपाठी अनिल तिवारी दीपक केवट गोपाल जिलानी सतेंद्र सोनी करुण सोधिया स्वप्निल जैन शीतल टेकाम निहारिका सिंह रानू सोधिया बूढ़ार में शिवम कुशवाह रोहित वर्मा दिनेश चौधरी नीरज शर्मा धनपुरी में शमीम खान डॉ विजय सिंह महेंद्र सिंह मम्मद नदीम व्यवहारी में रामराज गुप्ता नीलेश सोनी दुर्गेश गुप्ता संजय जायसवाल संदीप गुप्ता सतीश तिवारी विकास शर्मा संजय सिंह वेदप्रकाश अरुण तिवारी विजय गुप्ता सुरेन्द्र नामदेव शिवेंद्र सिंह मानपुर से अभिषेक द्विवेदी कृष्ण उपाध्याय नारायण सिंह बघेल कपिल उपाध्याय बालेश्वर द्विवेदी नंदनी झरिया पौन गुप्ता श्योपुर से प्रेमराज मीणा गोविंद गर्ग महावीर शुक्ला कमल सिंह गुर्जर , सबलगढ़ धर्मेंद्र गौड़ अमन परमार , दीपक डंडोतिया , अनूप शर्मा जितेंद्र जाटव , कैलारस से गिर्राज शर्मा मनोज शर्मा अखलेश पाराशर सोनू गौरव गौड़, मुरैना नीरज खेमरिया मुकेश शर्मा गिर्राज पाठक , नरेश व्यास , राजकुमार पचौरी , पोरसा से धर्मवीर पचौरी , योगेंद्र सिंह तोमर, डबरा से रवि परिहार , मेहर से मनोज मिश्रा , श्रीनिवास मिश्रा , राजगढ़ से घनश्याम शर्मा , गिरीश जोशी , अमित दुबे, इंदौर से आलोक शर्मा अकेला, सीहोर से हेमंत त्रिपाठी , शाजापुर से सुनील वर्मा, आगर मालवा से गिरिराज बंजारिया, नर्मदा पुरम शमीम खान, अशोक नगर विकास सोनी , बांधव गढ़ कृष्णकुमार उपाध्याय , नारायण सिंह परिहार , हरिशरण उपाध्याय मनासा से दीपक पंचारिया अनिल सेन , राजेश जोशी, मंदसौर से गोपाल राय , भोपाल से अवधेश पुरोहित एकता पटेरिया बैतूल से रामकिशोर पवार जबलपुर से रूपम बाजपेई उत्पल कांत शर्मा, डिंडोरी संदीप मिश्रा, जयसिंह नगर से सुनील कुमार द्विवेदी रूद्रांशी शर्मा रवि कुमार द्विवेदी कौशल सिंह सागर से अभिषेक कुमार जैन , संतोष सिंह ठाकुर मानपुर अभिषेक द्विवेदी। बालेश्वर द्विवेदी कोतमा से सुशील सोनी सहित देश प्रदेश के पत्रकारों ने भागेदारी की।

अमरकंटक राष्ट्रीय अधिवेशन में पत्रकारों को सौंपे दायित्व- इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के 144 वीं राष्ट्रीय कार्यसमिति तथा प्रदेश इकाई की बैठक में महासंघ को सांगठनिक सुदृढ़ करने के लिए सक्रिय व निष्ठावान पत्रकार साथियों को नवीन दायित्व सोंप दिये गये हैं। राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर किए गए मनोनयन से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा। नवीन दायित्व के तहत केंद्रीय अनुशासन समिति में सुनील थपरियाल उत्तराखंड, अध्यक्ष एवं अशोक शर्मा अशोक नगर मध्यप्रदेश, गिरिजाशंकर राय झांसी उत्तर प्रदेश सदस्य बनाए गए , वही राष्ट्रीय पार्षद (कार्यसमिति)के लिए मुरैना से रामविलास शर्मा प्रधान संपादक चंबल सुर्खी, कमलेश श्रीवास्तव ,गोपालदास बंसल, मनोज सिंह, लुकमान अली, अनिल द्विवेदी शहडोल , रामबाबू चौबे अनूपपुर को राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव ने प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम के प्रस्ताव पर नामांकित किया।

वही प्रदेश में संगठन विस्तार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम ने प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पद पर राजगढ़ के पत्रकार सत्यनारायण वैष्णव , शहडोल के अरविंद द्विवेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर राधाकृष्ण सिंहल मुरैना , शहडोल के राहुल सिंह राणा को प्रदेश संगठन प्रभारी, अशोक नगर के कुमार संभव , शहडोल से जुनेद खान, राजगढ़ से घनश्याम शर्मा को प्रदेश सचिव,

एवं कैलारस के रोशनलाल गुप्ता प्रदेश कार्य समिति सदस्य में मनोनीत किए जाने की घोषणा की , सभी मनोनीत पदाधिकारियों का राष्ट्रीय अध्यक्ष अवधेश भार्गव तथा प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम ने मंच पर अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन- इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की मध्यप्रदेश इकाई मध्य भारत वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा पत्रकार हित में 15 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम विधायक फुन्देलाल मार्को को सौंपा गया।जिसमें निम्न मांग रखी गई -

1) मध्यप्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कर दिनरात कार्य करने वाले पत्रकारगणों को सुरक्षा प्रदान की जावे।

2) इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की को मध्यप्रदेश इकाई म.प्र. वर्किंग जर्नलिस्ट को राजधानी भोपाल के मालवीय नगर में पत्रकार भवन हेतु आवंटित भूमि पर एक पत्रकार भवन का निर्माण कराकर संघ की प्रदेश इकाई को संचालन हेतु सौंपा जावे।

3) प्रदेश के गांव-गांव से मुख्यालय पर आवागमन करने वाले ग्रामीण पत्रकार को अनेक समस्याओं का निदान करने हेतु प्रत्येक जिला मुख्यालय पर पत्रकार भवन निर्माण हेतु निःशुल्क भूमि आवंटित करने के साथ भवन निर्माण के लिये राशि प्रदान की जावे।

4) प्रदेश के सभी राजकीय व राष्ट्रीय टोल नाकों पर निःशुल्क आवागमन की सुविधा प्रदान की जावे।

5) प्रदेश के पत्रकारों को आयुष्मान योजना से जोडकर लाभान्वित किया जावे। ताकि स्वास्थ्य खराब होने पर वह अपना समुचित इलाज करा सके।

6) प्रदेश में कई वर्षों से जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा अधिमान्यता एवं कल्याण समितियां नहीं बनाई गई हे। इस कारण पत्रकारों को अधिमान्यता प्राप्त नहीं हो पा रही है। वहीं अनेक योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। इसलिये नवीन अधिमान्यता समितियां बनाई जाकर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की प्रदेश इकाई मध्य भारत वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के सदस्यगण को शामिल किया जाए।

7) प्रदेश में अधिकांश पत्रकार स्वयं का आवास न होने के कारण किराये के आवास में जीवन यापन करने को मजबूर है। यह स्थिति प्रदेश के सभी संभाग, जिला व तहसील स्तर पर अत्यधिक विषम है। पत्रकारगण को स्वयं का आवास निर्मित करने के लिये प्रदेश के सभी संभाग जिला व तहसील स्तर पर रियायती दरों पर भूखण्ड दिए जाएं।

8) प्रदेश के आवास हीन पत्रकारों को शासकीय योजनाओं के तहत निर्मित आवास के लिये पात्र बनाकर गांव से शहर तक अधिमान्य पत्रकारों को शासकीय आवास रियायती दर पर प्रदान किया जावे।

9) देश व प्रदेश के सभी अधिमान्य पत्रकारगण को लगभग 7 वर्ष पूर्व तक रेल यात्रा किराया में 50 प्रतिशत की रियायत केन्द्र सरकार द्वारा प्रदाय की जाती थी। इसके बंद होने से पत्रकारगण को रेल में आवागमन करने पर अत्यधिक आर्थिक भार वहन करना पड़ रहा है। इस सुविधा को पुनः आरंभ कराने के लिये माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से आप व सरकार द्वारा पत्रकारगण का सहयोग किया जावे।

10) रेल यात्रा के लिये आरक्षण प्रक्रिया में पत्रकार कोटा लागू किये जाने हेतु भारत सरकार के रेल मंत्रालय तथा रेलवे बोर्ड से अनुशंसा कर सुविधा प्रदान कराने में सहयोग किया जावे।

11) प्रदेश में सरकार व शासन की योजनाओं का बेहतर प्रचार-प्रसार तथा जन समस्याओं को उचित मंच पर उठाने हेतु पत्रकारों को पूर्ण योग्य बनाने के लिये जिला मुख्यालय पर प्रति तीन माह में एक कार्यशाला का आयोजन जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा कराया जावे।

12) प्रदेश में पत्रकारों की दयनीय आर्थिक स्थिति से राहत दिलाने के लिये आर्थिक सहायता की योजना लागू करने के लिये पत्रकार कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाए। इसमें शासन के साथ-साथ इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट की मध्यप्रदेश इकाई म.प्र. वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के सदस्यों को बोर्ड सदस्य के रूप में नामांकित किया जावे।

13) प्रदेश में बड़े समाचार पत्र के साथ-साथ शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने में लघु तथा मध्यम समाचार पत्रों की भूमिका अत्यधिक महत्वूपर्ण है। इसके विपरीत बड़े समाचार पत्र तथा बड़े टीवी न्यूज चैनल को ही जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा विज्ञापन के रूप में अत्यधिक आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। इसमें लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एवं छोटे न्यूज चैनल को आर्थिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। इस हेतु नवीन विज्ञापन नीति बनाई जाकर लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों एवं छोटे न्यूज चैनलों को अधिक से अधिक विज्ञापन प्रदाय किये जावे।

14) प्रदेश के सभी जिला एवं तहसील मुख्यालय पर प्रशासन तथा पत्रकारों के बीच उत्पन्न समस्याओं का निराकरण करने के लिये समन्वय समितियों का गठन किया जावे।

15) प्रदेश में पत्रकारों के नाम पर अनेक संगठन संचालित किये जा रहे हैं। इन संगठनों की सदस्यता की जांच कराई जाय क्योंकि कुछ संगठन ऐसे हैं जो पत्रकारों के नाम पर धन उगाई तो करते ही हैं फर्जी व त्यौहारी पत्रकारों का संरक्षण कर लोगों को परेशान भी करते है इससे पत्रकारिता का पवित्र मिशन बदनाम हो रहा है। ऐसे संगठनों की जांच कराने का कष्ट करें और उनके पंजीयन निरस्त करवाएं ताकि समाज में भय का वातावरण समाप्त हो। आजकल पत्रकारों के नाम पर पत्रकार संगठनों में विभिन्न माफियाओं का कब्जा हो रहा है, जिनका पत्रकारिता से दूर-दूर तक नाता नही है। केवल पैसा ही उनकी योग्यता है। जैसे सत्ता, संगठन पर ऐसी ताकतें हावी होती जा रही हैं यही हालत अब पत्रकार संगठनों की हो गई है, शासन को ऐसे पत्रकार संगठनों की जांच करना चाहिए। इनके द्वारा लिये जाने वाले चंदे की भी जांच होनी चाहिए। ताकि पत्रकार और पत्रकार संगठनों की वास्तविकता का पता लग सके।

राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रतिमाह के प्रथम कार्य दिवस पर कार्यालय परिसरों में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम में आज केशव विद्यापीठ स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा वाद्य यंत्र बजाकर राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं मध्यप्रदेश गान का गायन किया गया। जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना के साथ सुना।

कार्यक्रम के पश्चात कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मार्च माह के बेस्ट इम्प्लॉय ऑफ द मन्थ के रूप में जनपद पंचायत झाबुआ के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री प्रियंक पाटीदार, उप स्वास्थ्य केन्द्र घुघरी विकासखण्ड पेटलावद के एएनएम श्रीमती अनुग्रह तोमर एवं जनपद पंचायत पेटलावद की पर्यवेक्षक श्रीमती सोनुबाला भूरिया को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने तीनों कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी कार्यनिष्ठा, समयबद्धता एवं ईमानदारी का प्रतीक है तथा अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

समाजहित में निष्पक्षता का प्रतीक - शरद जैन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज में ऐसे व्यक्तित्व विरले ही देखने को मिलते हैं, जो बिना किसी भेदभाव, गुटबाजी या स्वार्थ के केवल समाजहित के लिए समर्पित होकर कार्य करते हैं। ऐसे ही एक प्रेरणादायी नाम हैं ङ्क *शरद जैन*। उनका जीवन और कार्यशैली न केवल अनुकरणीय है, बल्कि आज के युवाओं के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ के समान है।

आज के दौर में जब कई युवा अलग - अलग विचारधाराओं और संगठनों में विभाजित होता है, तब शरद जैन जैसे व्यक्तित्व एकता, निष्पक्षता और सेवा की सच्ची भावनाओं कि और इशारा करते हैं। उन्होंने सदैव यह सिद्ध किया है कि सच्ची सेवा किसी संस्था, गुट या पहचान की मोहताज नहीं होती, बल्कि वह केवल निस्वार्थ भावना से की जाती है।

निष्पक्षता और समर्पण का उदाहरण- शरद जैन का सबसे बड़ा गुण है उनकी निष्पक्षता। वे किसी भी प्रकार के भेदभाव– चाहे वह जाति, धर्म, वर्ग या विचारधारा पर आधारित हो–से स्वयं को दूर रखते हैं। उनका मानना है कि समाज का विकास तभी संभव है जब हर व्यक्ति को समान दृष्टि से देखा जाए और उसकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान किया जाए।

उन्होंने कभी भी किसी गुट या संगठन विशेष का समर्थन करने के बजाय, हर उस कार्य में सहयोग दिया जो समाज के व्यापक हित में हो। यही कारण है कि वे हर वर्ग के लोगों के बीच सम्मान और विश्वास का केंद्र बने हुए हैं।

समाजहित सर्वोपरि- शरद जैन का मानना है कि समाजहित ही सर्वोपरि है। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ या पहचान की अपेक्षा किए बिना, हमेशा समाज के कल्याण के लिए कार्य किया। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग हो, जरूरतमंदों की सहायता हो या सामाजिक जागरूकता फैलाने का प्रयास–हर क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय रहा है।

युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत- आज के इस दोर मे शरद जैन जैसा व्यक्तिव युवाओ के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत भी साबित हो सकता है सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए कार्यों में निहित होती है।

उनका जीवन यह भी दर्शाता है कि एक व्यक्ति भी अपने संकल्प और प्रयासों से समाज में बड़ा बदलाव ला सकता है।

अनुकरणीय और अनुमोदनीय व्यक्तित्व- यहा गोर करने लायक यह बात है कि शरद जैन का व्यक्तित्व हर दृष्टि से अनुकरणीय है। उनकी सादगी, विनम्रता और सेवा भावना उन्हें विशेष बनाती है। वे कभी भी अपने कार्यों का श्रेय स्वयं नहीं लेते, बल्कि हमेशा टीम और समाज को प्राथमिकता देते हैं।

उनकी यही विशेषताएँ उन्हें अनुमोदनीय बनाती हैं। समाज के हर वर्ग के लोग उनके कार्यों की सराहना करते हैं । सच्ची महानता दिखावे में नहीं, बल्कि कर्म में होती है।

साधुवाद के पात्र- ऐसे व्यक्तित्व को शब्दों में सराहना देना आसान नहीं है। शरद जैन वास्तव में साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन को समाजसेवा के लिए समर्पित किया है। उनकी निष्ठा, ईमानदारी और प्रतिबद्धता उन्हें एक अलग पहचान देती है।

उनके कार्यों के प्रति सम्मान प्रकट करना न केवल उनका सम्मान है, बल्कि यह उन मूल्यों का भी सम्मान है, जिन पर एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण होता है।

चलते - चलते - अंततः, शरद जैन केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं–एक ऐसी विचारधारा जो निष्पक्षता, सेवा और समाजहित पर आधारित है।

ऐसे व्यक्तित्व को साधुवाद, जो बिना किसी भेदभाव के समाजहित में निरंतर कार्यरत हैं ।

कलेक्टर ने जनगणना 2027 हेतु फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच के प्रशिक्षण का किया अवलोकन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जनगणना 2027 के कार्यों के सफल, सुव्यवस्थित एवं सुचारू क्रियान्वयन के उद्देश्य से फील्ड ट्रेनर्स के द्वितीय बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 मार्च 2026 से 02 अप्रैल 2026 तक सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में आयोजित किया जा रहा है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा आज प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्य में प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स को निर्देशित किया कि वे जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया को भली-भांति आत्मसात करें, ताकि वे मैदानी अमले को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण प्रदान कर सकें तथा क्रियान्वयन के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे कार्य की गुणवत्ता प्रशिक्षण की गंभीरता और समझ पर निर्भर करती है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि फील्ड ट्रेनर्स मैदानी अमले को प्रशिक्षण देते समय सरल एवं स्पष्ट भाषा का उपयोग करें, ताकि प्रत्येक गणनाकर्मी विषयवस्तु को आसानी से समझ सके। साथ ही, तकनीकी पहलुओं एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग में दक्षता विकसित करने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सर्वे कार्य संवेदनशील होता है, इसलिए नागरिकों के साथ संवाद करते समय विनम्रता, धैर्य एवं संवेदनशीलता बनाए रखना भी प्रशिक्षण का हिस्सा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना कार्य की संपूर्ण प्रक्रिया, डाटा संकलन की विधि, निर्धारित प्रपत्रों के सही उपयोग, तकनीकी पहलुओं एवं फील्ड स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

युद्ध नहीं, शांति का हो विस्तार- महावीर जयंती पर वर्द्धमानपुर शोध संस्थान ने दिया विश्व शांति का संदेश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहाँ अशांति और वैमनस्य का वातावरण है, वहीं भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर वर्द्धमानपुर शोध संस्थान ने मानवता और अहिंसा की एक नई अलख जगाई है। संस्थान द्वारा बदनावर, इंदौर और भोपाल में एक साथ प्रेरक तख्तियों के माध्यम से जन-जन तक शांति, अहिंसा और भाईचारे का संदेश पहुँचाया गया। चल समारोह के दौरान जैन समाज के श्रद्धालुओं ने हाथों में तख्तियां थामी थीं, जिन पर उकेरे गए नारे हर किसी का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। युद्ध नहीं किसी समस्या का हल, जियो और जीने दो की करो पहल और वर्तमान को वर्द्धमान की आवश्यकता है जैसे संदेशों ने समाज में दया, करुणा, क्षमा और सौहार्द का वातावरण निर्मित किया।

संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से वर्धमान 2550 नामक विशेष प्रकल्प की शुरुआत की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। संस्थान के राजेश मोदी एवं ललित गोधा के अनुसार, यह पहली बार है जब तीन प्रमुख केंद्रों से एक साथ इस तरह का अभिनव जन-जागरण अभियान चलाया गया।

इस पूरे अभियान को आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज, पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज एवं मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस वृहद् आयोजन की सफलता में वर्द्धमानपुर शोध संस्थान की टीम का विशेष योगदान रहा। प्रमुख सहयोगी विपिन जैन, रितेश रोहन मोदी, नरेंद्र भारिल्ल, शुशील संस्कार गोधा, विजय लुहाड़िया, शालिनी नैवेद्य पाटोदी (बदनावर), मनोज गोधा (बड़नगर)। इंदौर टीम - संजय विजय अजमेरा, सुनील सुकुमार मोदी, राजेन्द्र झांझरी, राजेन्द्र संतोष लुहाड़िया, श्रीमती कीर्ति मोनिका, चर्चित, चहेती, आशी पाटोदी सहित ज्ञान वर्धनी पाठशाला के नन्हे बालक-बालिकाएं। भोपाल टीम - प्रियंका प्रशांत जैन, श्वेता सम्यक जैन, विशाल जैन, कृतेश जैन, रिशित पाटनी सहित वीतराग दर्शनालय समिति, पार्श्व युवा मंडल, और विभिन्न महिला मंडलों का सक्रिय सहयोग रहा।

यह अभियान केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने समाज में सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों के प्रसार के एक सशक्त माध्यम के रूप में अपनी पहचान बनाई। समाज के हर वर्ग ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

स्कूल चले हम अभियान के तहत कलेक्टर की अध्यक्षता में रामा में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव संपन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामा में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नेहा मीना ने नव-प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें एवं साइकिलें वितरित कीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कलेक्टर नेहा मीना ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने जनसंख्या लाभांश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की इस शक्ति का सही उपयोग तभी संभव है जब युवा शिक्षित, कुशल एवं आत्मविश्वासी हों। विद्यार्थियों में निरंतर अभ्यास की आदत विकसित करने तथा सह-पाठयक्रम गतिविधियों के माध्यम से उनका आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी उन्होंने जोर दिया।

शासकीय उमावि बेडावन में प्रवेश उत्सव मनाया गया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उमावि बेडावन में प्रवेशोत्सव बुधवार को सरपंच मोहन लाल गाजी के मुख्य आतिथ्य में एवं पालक संघ अध्यक्ष नागेश्वर वाक्तलिया की अध्यक्षता में मनाया गया। नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का मंगल तिलक लगाकर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनीता मालीवाड़ ने विद्यालय के शैक्षिक विकास के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया। कार्यक्रम का संचालन संगीता सिसोदिया ने किया एवं आभार ब्रह्मदत्त पाराशर ने व्यक्त किया। इस अवसर पर करणसिंह गौड़ जनशिक्षक, जयवंत विन्झे,शकुंतला सोनीहै ज्योति पटेल, रघुनाथ वाघेला आदि शिक्षकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। फोटो कार्यक्रम अवसर का।

सरपंच मुकाती के अथक प्रयासों से खेड़ा को मिली ऐतिहासिक सौगात

थाने के सामने की बेशकीमती भूमि पर बनेगा भव्य सरदार पटेल हाट बाजार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत खेड़ा के विकास के इतिहास में बुधवार का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। मुकाती जी के दृढ़ संकल्प और पिछले 4 वर्षों के निरंतर एवं अथक प्रयासों के फलस्वरूप, बदनावर थाने के ठीक सामने स्थित बेशकीमती शासकीय भूमि को जिला कलेक्टर धार द्वारा ग्राम पंचायत खेड़ा को आवंटित कर दिया गया है।

इस उपलब्धि के पीछे युवा सरपंच योगेश मुकाती की दूरगामी सोच और कार्यशैली रही है। वे पिछले 4 सालों से इस भूमि को पंचायत के हित में प्राप्त करने के लिए शासन-प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में थे। कई बाधाओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः अपनी पैरवी के दम पर पंचायत को यह बड़ी सफलता दिलाई। क्षेत्र की जनता इस उपलब्धि का श्रेय मुकाती की मेहनत और उनके विकास मॉडल को दे रही है।

कलेक्टर महोदय के आदेश के बाद, तहसीलदार सुरेश नागर एवं पटवारी श्रीमती कविता पाटीदार ने मौके पर पहुंचकर भूमि का विधिवत सीमांकन किया और कब्जा ग्राम पंचायत को सुपुर्द किया। इस अवसर पर मुकाती सहित पंचायत के अन्य सदस्य और ग्रामीण उपस्थित रहे, जिन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को बधाई दी।

सरपंच योगेश के विजन के अनुसार, इस भूमि पर सरदार पटेल हाट बाजार का निर्माण किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। यहाँ विशेष रूप से स्थानीय बेरोजगार युवाओं को व्यापार के लिए अवसर दिए जाएंगे। सड़क किनारे लगने वाले ठेले वालों और चाट-चौपाटी संचालकों को एक आधुनिक और सुरक्षित स्थान मिलेगा, जिससे मुख्य मार्ग का यातायात भी सुगम होगा। यह बाजार बदनावर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता के लिए खरीदारी का मुख्य केंद्र बनेगा। योजना के अनुसार, आवंटित भूमि के समीप तालाब के किनारे व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इसे एक ग्रीन जोन के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ वॉकिंग ट्रैक और बैठने की व्यवस्था होगी। यह स्थान खेड़ा और बदनावर के नागरिकों के लिए सुबह-शाम की सैर और सुकून के पल बिताने के लिए सबसे सुंदर स्थल के रूप में उभरेगा।

युवा सरपंच मुकाती के नेतृत्व में मिली इस सफलता को ग्राम पंचायत खेड़ा की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मुकाती जी ने यह साबित कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो असंभव कार्य भी संभव हो सकते हैं। इस भूमि आवंटन से न केवल पंचायत की आय बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र का गौरव भी बढ़ेगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क को मिली रफ्तार, 28 करोड़ के निवेश से बनेंगे ईसीजी-आईसीयू उपकरण

दो कंपनियों की यूनिट शुरू होने से 200 से ज्यादा लोगों को रोजगार, शहर बनेगा हेल्थ मैन्युफैक्चरिंग हब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश का सिलसिला तेज हो गया है। अब यहां 28 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से ईसीजी और आईसीयू मॉनिटरिंग जैसे अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण बनाए जाएंगे। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी, बल्कि 200 से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

मेडिकल डिवाइस पार्क में सोहम इनोवेशन लेब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मान इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को जमीन आवंटित कर दी गई है। दोनों कंपनियां जल्द ही अपनी यूनिट स्थापित कर उत्पादन शुरू करेंगी। सोहम इनोवेशन लेब्स करीब 2.5 एकड़ जमीन पर 13.75 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस यूनिट में हियरिंग स्क्रीनर, ईसीजी, ईएफजी समेत कई डायग्नोस्टिक उपकरण तैयार किए जाएंगे। साथ ही आईसीयू में उपयोग होने वाले मॉनिटरिंग डिवाइस भी बनाए जाएंगे। इस परियोजना से करीब 150 लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं मान इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 1.5 एकड़ क्षेत्र में लगभग 15 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यहां ईसीजी मशीन, मल्टी पैरामीटर मॉनिटर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, पल्स ऑक्सीमीटर और बीपी मॉनिटर जैसे जरूरी उपकरण तैयार होंगे। इस यूनिट से करीब 50 लोगों को रोजगार मिलेगा।

स्थानीय उत्पादन से मरीजों को सीधा फायदा- उज्जैन में ही चिकित्सा उपकरण बनने से अस्पतालों को आसानी से उपकरण उपलब्ध होंगे। इससे इलाज की लागत कम होने के साथ मरीजों को समय पर बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

इंडस्ट्रियल हब की ओर बढ़ता कदम- मेडिकल डिवाइस पार्क तेजी से औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन शुरू होने से उज्जैन की पहचान हेल्थ मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में बनेगी और हेल्थ सेक्टर का मजबूत इकोसिस्टम तैयार होगा।

सरकार का फोकस, 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा- एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार हेल्थकेयर सेक्टर में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करने पर जोर दे रही है। 360 एकड़ में विकसित यह मेडिकल डिवाइस पार्क देश के प्रमुख चार पार्कों में शामिल है और इसे ग्लोबल हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

महाकाल जाने का रास्ता हुआ आसान, बेगमबाग से भारत माता पार्किंग तक सड़क चौड़ी

15 मीटर चौड़ी सड़क के लिए 12 भवन हटाए, श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी खबर है। शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बेगमबाग से भारत माता मंदिर पार्किंग तक जाने वाले मार्ग को चौड़ा कर दिया गया है। नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रशासन ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे भवनों को हटाया।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत प्रस्तावित इस मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। इसके लिए कुल 14 भवन चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 12 भवन मालिकों ने सहमति देकर प्रशासन का सहयोग किया। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से भवनों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान मौके पर नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा स्वयं मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी की। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।अभियान में स्मार्ट सिटी सीईओ संदीप शिवा, अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, तहसीलदार शेफाली जैन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देशमुख सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को मिलेगा सीधा लाभ- सड़क चौड़ी होने से महाकाल मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। खासकर त्योहारों और विशेष अवसरों पर इस मार्ग से आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा।

प्रोजेक्ट एक नजर में

मार्ग- बेगमबाग से भारत माता मंदिर पार्किंग

चौड़ाई- 15 मीटर

हटाए गए भवन- 14 में से 12

उद्देश्य- यातायात सुगम बनाना और श्रद्धालुओं को सुविधा देना

महाकाल की नगरी के कलाकार काशी विश्वनाथ की भूमि पर सम्राट विक्रमादित्य की गौरव गाथा को साकार करेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को महाकाल की नगरी से काशी विश्वनाथ की भूमि पर सम्राट विक्रमादित्य के नाट्य मंचन के लिए 150 से अधिक सदस्यों का दल काशी-महाकाल एक्सप्रेस ट्रेन से वाराणसी के लिए रवाना हुआ। रेल्वे स्टेशन पर नाट्य दल में शामिल कलाकारों का वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा पुष्पहार से स्वागत कर शुभकामनाओं के साथ बिदाई दी। भारत के स्वाभिमान, नवजागरण और सांस्कृतिक वैभव की गौरवशाली यात्रा को समर्पित महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन 3 से 5 अप्रैल तक बी.एल.डब्ल्यू. मैदान, वाराणसी में किया जाएगा। सम्राट विक्रमादित्य की गाथा मंच पर साकार करने के लिए उज्जैन से कलाकारों एवं तकनीकी दल का जत्था बुधवार दोपहर 11 बजे काशी - महाकाल एक्सप्रेस से वाराणसी के लिए रवाना हुआ। इस भव्य आयोजन में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, पराक्रम, न्यायप्रियता एवं सांस्कृतिक योगदान को प्रभावशाली मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर विविध प्रदर्शिनियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी, जिनमें 'आर्ष भारत', 'सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या', 'शिव पुराण', 'चौरासी महादेव', 'श्रीहनुमान' तथा मध्यप्रदेश के पवित्र स्थलों की झलक प्रस्तुत की जाएगी। श्री भस्म रमैया भक्त मंडल के 50 कलाकार द्वारा डमरू वादन की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक पूर्वरंग के अंतर्गत मध्यप्रदेश के लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं स्वाद खंड में देशज व्यंजनों का विशेष मेला भी आयोजित किया जाएगा, जो दर्शकों को भारतीय परंपरा और संस्कृति का जीवंत अनुभव कराएगा। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान तथा जिला प्रशासन वाराणसी के सहयोग से 3 से 5 अप्रैल तक विक्रम उत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन रेल्वे स्टेशन पर प्रख्यात कवि श्री दिनेश दिग्गज ने नाट्य दल के कलाकारों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्कृति के संवाहक मध्यप्रदेश के विकास पुरुष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज से 21 वर्ष पूर्व जो संकल्पना दी थी।

पुलिया के नीचे मिली नग्न लाश की नहीं हुई पहचान

हत्या का केस दर्ज, चार से पांच टीम तलाश रही सुराग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा किनारे भूखी माता मार्ग पर पुलिया के नीचे मिली युवक की नग्न लाश का मामला हत्या का होने पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है, पोस्टमार्टम के बाद शव दफना दिया गया है।

महाकाल थाना पुलिस ने मंगलवार दोपहर को भूखी माता मार्ग पुलिया के नीचे से 25-26 साल के युवक का नग्न शव बरामद किया था। जिसका गला जूते की लेस से गला घोटा गया था। मृतक के कपड़े पेंट और कुर्ता पुलिया के नीचे ही मिले थे, प्रारंभिक जांच में ही मामला हत्या का होने पर पुलिस ने पहचान के प्रयास शुरू किया लेकिन देर शाम तक पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर पोस्टमार्टम कराया और लाश को दफना दिया। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगे होना सामने नहीं आए हैं। मृतक बाहर का प्रतीत हो रहा है। शहर और ग्रामीण थाना पुलिस के साथ आसपास के जिले के थानों की पुलिस को मृतक के फोटोग्राफ भेजे गए। शहर में मजदूर चौराहों पर भी फोटोग्राफ दिखाकर पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं। मृतक के संबंध में जानकारी आने पर ही उसके साथ हुई घटना का पता चल पाएगा। एक टीम अज्ञात हत्या करने वालों की तलाश में गठित की गई है। घटना स्थल के आसपास लोगों से जानकारी जुटाना का प्रयास किया जा रहा है।

शाही जत्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, चिंतामण गणेश के दर्शन को पहुंचे हजारों श्रद्धालु

तड़के 4 बजे खुले पट, आकर्षक श्रृंगार के बाद देर रात तक चले दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र मास की अंतिम और शाही जत्रा के अवसर पर चिंतामण गणेश मंदिर में बुधवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भगवान श्री चिंतामण गणेश के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पहुंचने लगे। दिनभर दर्शन का सिलसिला जारी रहा और देर रात तक भक्तों की भीड़ बनी रही।

परंपरा के अनुसार मंदिर के पट तड़के करीब 4 बजे खोल दिए गए थे। इसके बाद विधि-विधान से पूजन-अभिषेक किया गया और भगवान गणेश का आकर्षक चोला श्रृंगार किया गया। विशेष श्रृंगार के बाद दर्शन प्रारंभ हुए, जिनका लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लग गई थीं, जो मंदिर के बाहर तक पहुंच गईं। दोपहर तक लगातार श्रद्धालुओं का आना जारी रहा। पूरे दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

मंदिर के पुजारी ने बताया कि शाही जत्रा के अवसर पर दर्शन रात करीब 10=30 बजे तक चलते रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।गौरतलब है कि चैत्र मास के प्रत्येक बुधवार को चिंतामण गणेश की जत्रा आयोजित होती है। इस वर्ष कुल पांच जत्राएं आयोजित हुईं, जिनमें अंतिम जत्रा को शाही जत्रा के रूप में विशेष महत्व दिया जाता है। इस अवसर पर हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। प्रशासन की ओर से भी व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

महाकाल दरबार में पहुंचे फिल्मी सितारे... अक्षय कुमार, डिंपल कपाड़िया और टाइगर श्रॉफ ने किए दर्शन

अक्षय कुमार ने कहा ने कहा- देश हमेशा अव्वल रहे और आगे बढ़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को फिल्मी जगत की चर्चित हस्तियों का आगमन हुआ। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया ने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पहले अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और डिंपल कपाड़िया ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर नदी के कान में अपनी मनोकामना कही। तीनों फिल्मी स्टारों ने देश, देशवासी और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। यह दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने मीडिया से चर्चा में कहा कि आज उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन कर देश की परिवार की तथा सभी की समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान महाकाल की कृपा से हमारा देश अव्वल रहे और प्रगति की राह पर आगे बढ़ता रहे।वहीं जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया और टाइगर श्रॉफ ने भी महाकाल मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए।

उन्होंने मंदिर परिसर के नंदी हाल में बैठकर ध्यान लगाते हुए आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश के श्रद्धालुओं के साथ-साथ फिल्मी हस्तियां अभी भगवान महाकाल का आशीर्वाद देने के लिए उनके दरबार पहुंचती है।

उज्जैन में रजिस्ट्रियों से 447 करोड़ का राजस्व, अब बढ़ी दरों पर होगी रजिस्ट्री

71,890 दस्तावेजों का हुआ पंजीयन, 31 मार्च को ही 9.50 करोड़ की आय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन के साथ ही उज्जैन जिले में संपत्ति पंजीयन से सरकार को बड़ी राजस्व प्राप्ति हुई है। पूरे वर्ष में दस्तावेजों के पंजीयन से कुल 447.05 करोड़ रुपये की आय दर्ज की गई, जो जिले के रियल एस्टेट बाजार को दर्शाती है।

वरिष्ठ जिला पंजीयक ऋतंभरा द्विवेदी ने बताया कि बीते वित्तीय वर्ष में जिलेभर में कुल 71,890 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया। खास बात यह रही कि वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन 31 मार्च को ही पंजीयन कार्यालयों में भारी भीड़ देखने को मिली। इस एक दिन में लगभग 9.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ और 840 दस्तावेजों का पंजीयन किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि गाइडलाइन दरों में संभावित बढ़ोतरी के चलते लोगों ने अंतिम दिन तक रजिस्ट्री कराने में तेजी दिखाई, जिससे राजस्व में उछाल आया। इधर, नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ ही केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा अनुमोदित नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू कर दी गई है। इसके तहत अब अचल संपत्तियों के पंजीयन बढ़ी हुई दरों पर किए जाएंगे। प्रॉपर्टी व्यवसाय से जुड़े लोगों का मानना है कि नई गाइडलाइन से सरकारी राजस्व में और बढ़ोतरी होने की संभावना है, हालांकि आम लोगों पर संपत्ति खरीदने का बोझ भी बढ़ सकता है। पंजीयन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे संपत्ति खरीद-बिक्री से पहले नई गाइडलाइन दरों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

राजस्थान के बदमाश ने काटी थी हरियाणा के अभिभाषक की जेब

एक माह बाद पुलिस ने पकड़ा, गढ़कालिका मंदिर में हुई थी वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गढ़ कालिका मंदिर में अभिभाषक की जेब काटने वाले बदमाश को एक माह बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाश ने होटल में रूम ले रखा था और हेयर सैलून की दुकान पर काम कर रहा था। बुधवार को पुलिस ने बदमाश को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा है ।

हरियाणा के पानीपत स्थित गोहाना रोड अशोक विहार में रहने वाले अभिभाषक अभिमन्यु पिता वेदप्रकाश कोशिक 27 फरवरी को परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर आये थे। गढ़ कालिका मंदिर में दर्शन के दौरान भीड़ के बीच उनकी जेब अज्ञात बदमाश ने काट ली थी। पर्स में 22 हजार रूपये नगद और दस्तावेज रखे थे। मंदिर में हुई वारदात की शिकायत अभिभाषक ने जीवाजीगंज थाना पुलिस को दर्ज कराई थी। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। जिसमें संदिग्ध दिखाई दिया, वहीं आसपास के कैमरों को भी खंगाला गया। फुटेज के आधार पर उक्त युवक की तलाश शुरू की गई और मुखबीर तंत्र को अलर्ट किया गया। एक माह बाद मुखबीर से खबर मिली कि उक्त हुलिये का युवक गढ़कालिका मंदिर के पास भैरवगढ़ रोड़ पर घूम रहा है। तत्काल पुलिस टीम पहुंची और घेराबंदी की उक्त संदिग्ध को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ करने पर संदिग्ध का नाम जयदीप पिता लालशंकर भाटिया निवासी ग्राम छापी डूंगर राजस्थान सामने आया। सख्ती करने पर उसने जेबकटी की वारदात कबूल कर ली। पुस्तक में सामने आया कि आरोपी ने बताया कि वह देवासगेट क्षेत्र की होटल में एक माह से रूम लेकर रह रहा है। महाकाल क्षेत्र में हेयर सैलून की दुकान पर काम करता है। पुलिस होटल पहुंची तो वहां से अभिभाषक का पर्स और दस्तावेज बरामद हो गये। वहीं 5 हजार की राशि भी जप्त की गई। बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया ।

कुएं से मिली 73 वर्षीय महिला की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसिक रूप से बीमार 73 वर्षीय महिला की लाज बुधवार दोपहर कुए से मिलना सामने आया है। घर से लापता होने पर परिजन उसकी तलाश में निकले थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। घटिया थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम कदवाली में रहने वाले दरबार के महिला की लाश पड़ी होने पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। जिसे बाहर निकल गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद सामने आया कि मृतक महिला मीराबाई पति बापू बंजारा 73 वर्ष है। वह ग्राम कदवाली की ही रहने वाली है। परिजनों ने बताया कि मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी कई बार घर से चली गई थी लेकिन तीन-चार दिन में वापस लौट आई थी। आज सुबह से वह घर से निकली थी जिसके चलते उनकी तलाश की जा रही थी इस दौरान घर के पीछे ही कुएं में उनकी लाश पड़ी होना सामने आया। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर परिजनों के बयान दर्ज किए गए। पोस्टमार्टम के बाद शव संस्कार के लिए सौंपा गया है।

शराब दुकान के सेल्समैन पर रात में हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्र में शराब दुकान के सेल्समैन पर बीती रात तीन से चार युवकों ने हमला कर दिया। घटना से कुछ देर पहले दो युवकों ने बियर खरीदी थी जिसको लेकर सेल्समेन और युवकों के बीच कहा सुनी हुई थी। घटिया तहसील के ग्राम बिछड़ोद में शिव बाबा प्राइवेट लिमिटेड नाम से शराब दुकान है जहां सेल्समैन के रूप में शिव पिता केदार प्रसाद गौतम 38 वर्ष निवासी सतना काम करता है। रात में दो युवक बियर लेने पहुंचे थे इस दौरान सेल्समैन दुकान बंद कर चुका था। युवको ने दुकान का शटर खुला कर दो बियर ली इस दौरान सेल्समैन और उनके बीच पैसों को लेकर कहा सुनी हो गई। दोनों युवक शराब लेकर चले गए सेल्समेन भी खाना खाने चला गया। रात 12 बजे के लगभग सेल्समेन शिव लघु शंका के लिए दुकान से बाहर आया उसी दौरान तीन-चार युवको ने उस पर पीछे से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घायल सेल्समैन को उपचार के लिए उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया है। जहां उसने बताया कि हमला करने आए युवक अज्ञात है बियर लेने आए युवकों का कहना था कि वह खुद को लोकल होना बता रहे थे। मामले में थाना प्रभारी कारण खोवाल ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है हमला करने वाले अज्ञात युवकों की पहचान कर जल्द उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ खेल कूद में बढ चढकर भाग लें- नगर निगम सभापति श्रीमती यादव

उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर में जिला स्तरीय स्कूल चले हम अभियान कार्यक्रम आयोजित हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव ने कहा कि सभी विद्यार्थी अच्छे से पढ़ाई कर जिले का नाम रौशन करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेल कूद और साहित्यिक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर भाग लें।

श्रीमती यादव आज यहां स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित स्कूल चले हम अभियान के कार्यक्रम में बोल रही थी। यह कार्यक्रम शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर में आयोजित किया गया था। उज्जैन जिले में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 एक अप्रैल से शुरु हुआ है। यह नवीन शिक्षण सत्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चले हम अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। यह अभियान 04 अप्रैल तक प्रतिदिन जिले की शालाओं में चलेगा। इस कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा सांकेतिक रूप में 15 विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण एवं 05 विद्यार्थियों को साईकल वितरण किया गया है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, श्री संजय अग्रवाल, पार्षद श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, उपस्थित थे। अतिथियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों का प्रवेशोत्सव मनाया गया। अतिथियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रवेशोत्सव के मौके पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डीईओ, डीपीसी, एडीपीसी, बीईओ और विद्यालय के प्राचार्य उपस्थित रहें।

सीधा प्रसारण दिखाया- उत्कृष्ट उ.मा.वि. माधवनगर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान भोपाल में हो रहे स्कूल चले हम अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन भी हुआ। उन्होंने संबोधन में कहां कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 01 से 04 अप्रैल तक स्कूल चले हम अभियान चलेगा और बच्चों को प्रदेश के स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा।